यशराज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटी और बबली 2' रिलीज के पहले दिन अपने मेकर्स और अपने ब्रांड के अनुरूप बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन नहीं कर सकी।

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

● वर्ष- 15 अंक 285- ● जबलपुर ● शनिवार, 20 नवम्बर, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कृष्ण पक्ष प्रतिपदा ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें

WWW.yashbharat.co.in

अव्वल इंदौर को राष्ट्रपति कोविंद ने दिया पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज देश के 342 साफ शहरों को सम्मानित किया। इन शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में स्वच्छ और कचरा मुक्त होने के लिए कुछ स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इंदौर शहर को पांचवी बार स्वच्छ शहर का सम्मान मिला है। राष्ट्रपति कोविंद ने इंदौर के अधिकारी को पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। यह सम्मान आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा स्वच्छ अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत भारत को कचरा-मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टकोण की तर्ज पर कचरा-मुक्त शहरों की श्रेणी के तहत प्रमाणित शहरों को इस समारोह में भी पुरस्कृत किया गया है।

पांच करोड़ से अधिक आए फीडबैक

मंत्रालय के अनुसार, इस बार के स्वच्छ सर्वेक्षण में 4320 शहरों को शामिल किया गया है जो दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण है. साल 2016 में इस कदम की शुरुआत पर सिर्फ 73 प्रमुख शहरों को सर्वेक्षण में शामिल किया गया था। मंत्रालय ने कहा कहा, ''इस साल के सर्वेक्षण की सफलता

इस बार नागरिकों से मिले फीडबैक की संख्या के आधार पर आंकी गई है। इस बार पांच करोड़ से अधिक फीडबैक आए। यह संख्या पिछले साल 1.87 करोड़ थी।''

शहरों को तीन श्रेणियों में बांटा गया

2018 में केवल 56 शहरों में से कुछ को ही स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया था। हालांकि, इस साल यह संख्या कई गुना बढ़कर 342 शहरों तक हो गई है। तीन श्रेणियों में शहरों को बांटा गया है। इसमें फाइव-स्टार शहर, थ्री-स्टार शहर और वन-स्टार शहर की कैटेगरी बनाई गई है। इसमें 9 शहरों को फाइव स्टार, 166 को थ्री स्टार और 167 शहरों को वन स्टार की श्रेणी में रखा गया है । इसके अलावा, इस साल की सर्टिफिकेशन प्रोसेस में भी 2,238 शहरों की भागीदारी है, जो शहरी भारत की कचरा-मुक्त भारत के दृष्टिकोण के प्रति संकल्प को दर्शाता है।

शिवराज बोले-अरे वाह भिया, छा गया अपना इंदौर फिर से

इंदौर में लगातार पांचवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट किया है। इंदौर के स्वच्छता का पंच लगाने पर सीएम शिवराज बोले-अरे वाह भिया, छा गया अपना इंदौर फिर से सीएम ने कहा कि इंदौर अद्भुत है,गजब है। धन्य है इंदौर की जनता,इंदौर की जनता को मेरा प्रणाम, 5वीं बार स्वच्छता में शीर्ष पर बनाए रखा। बधाई जनप्रतिनिधियों को,सांसद,विधायक, प्रशासन,स्वच्छता कर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों को।

फटाफट खबरें

भारत में निवेश के बेहतरीन अवसर, अमेरिका से संबंधों पर USIBC प्रमुख ने कहा

नई दिल्ली। भारत- अमेरिका व्यावसायिक परिषद की अध्यक्ष निशा देसाई बिस्वाल ने कहा है कि भारत में निवेश के अवसरों पर बात की। भारत और अमेरिका के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत में पीएलआई योजनाओं का विस्तार निश्चित तौर पर सराहनीय है। बिस्वाल ने कहा कि मैं भारत में अधिक आपूर्ति श्रृंखला और अधिक विनिर्माण को आकर्षित करने की सरकार की इच्छा का समर्थन करती हूं। भारतीय कंपनियों द्वारा लाई गई प्रमुख चिंताओं में श्रम और आप्रवासन नीतियां शामिल हैं, जो कि भारतीय कंपनियों को एच1बी1 वीजा आदि के माध्यम से भारत से स्रोत प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं।

बीएसएफ पर विवादित टिप्पणी: दिलीप घोष ने अपर्णा सेन को बताया देशद्रोही

कोलकाता। पद्म श्री पुरस्कार विजेता अपर्णा सेन ने बीते सोमवार को कोलकाता के प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में क्वस्त्र पर टिप्पणी की थी। जिसमें उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी के कर्मियों को कथित रूप से 'बलात्कारी' और 'हत्यारा' कहा था। इस बयान के बाद सेन को बीजेपी नेता अनिर्बान गांगुली ने कानूनी नोटिस भेजा। अब इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दिलीप घोष ने एएनआई से कहा- वे देशद्रोही हैं... देश के पक्ष में जो कुछ भी है, वे उसका विरोध करते हैं। चाहे भारतीय परंपरा हो या हिंदुत्व। ये वही लोग हैं जो देश से शोहरत, दौलत कमाते हैं।

बिना कैबिनेट मंजूरी बना और निरस्त कर देते हैं कानून

नई दिल्ली। पूर्व गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर कथित तौर पर बिना कैबिनेट मंजूरी के कृषि कानूनों को रद्द करने के फैसले को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। आरोप लगाया कि सिर्फ भाजपा की सरकार में कैबिनेट की मंजूरी के बिना कानून बनाए और निरस्त किए जाते हैं।

ईगल बैटरी
डीलर-एक्साइड बैटरी
सभी गाड़ियों की बैटरी
EXIDE
MICROTEK
TECHNOLOGY WE LIVE
EXIDE Xtreme
पत्रकार भवन के सामने, बल्देवबाग
जबलपुर, फोन-9826115492, 9200792000

रेलवे ट्रैक पर बम विस्फोट, पटरी से उतरा इंजन, लातेहार में ट्रेनों की आवाजाही ठप

धनबाद। भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के नेता प्रशांत बोस और उनकी पत्नी शीला मरांडी की गिरफ्तारी के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया है। इस दौरान झारखंड के कई जिलों में नक्सलियों ने ट्रेनों को निशाना बनाया है। 12 घंटे के भीतर नक्सलियों ने दो बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है। झारखंड के धनबाद में रेलवे ट्रैक पर बम विस्फोट से उड़ा दिया। घटना के बाद डीजल लोकोमोटिव का इंजन पटरी से नीचे उतर गया। वहीं, लातेहार में भी नक्सलियों ने ट्रैक को विस्फोट कर उड़ा दिया है। प्राप्त सूचना के अनुसार, नक्सलियों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। राहत की बात है कि इस वारदात में किसी की मौत या चोट नहीं आई है। मौके पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस प्रशासन पहुंच चुके हैं और ट्रैक को सुधारने का काम चल रहा है। बीते दिनों झारखंड में नक्सलियों ने तांडव मचाया था। इनामी नक्सली के विरोध में नक्सलियों का तांडव माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य और एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रशांत बोस और उनकी पत्नी शीला मरांडी की गिरफ्तारी के विरोध में नक्सलियों ने 19 नवंबर से 20 नवंबर की रात तक भारत बंद रखने का एलान किया है। नक्सलियों ने टोरी रिचुघुटा डेम स्टेशन का रेलवे ट्रैक उड़ा दिया, जिसके कारण कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किए गए हैं। साथ ही इसे लेकर राज्यभर में पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है. सुरक्षा एजेंसियों को पूरी तरह चौकस रहने का निर्देश है।

पूरी गहलोत कैबिनेट दे सकती है इस्तीफा, रविवार को शपथ ग्रहण

नई दिल्ली। राजस्थान में कैबिनेट फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि रविवार को कैबिनेट फेरबदल हो सकता है। इसको लेकर शनिवार शाम को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी मंत्रियों की अहम बैठक बुलाई है। समाचार एजेंसी हड्ड ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि राजभवन में रविवार शाम 4 बजे शपथ ग्रहण हो सकता है। चर्चा है कि अशोक गहलोत कैबिनेट के सभी मंत्री इस्तीफा दे सकते हैं और रविवार को नए मंत्रिमंडल का गठन कर दिया जाएगा। नए मंत्रिमंडल में सचिन पायलट समर्थकों को शामिल किया जाएगा। इससे पहले अशोक गहलोत कैबिनेट के तीन वरिष्ठ मंत्री, गोविंद सिंह डोटासरा, हरीश चौधरी और रघु शर्मा पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा सौंप चुके हैं। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार को जयपुर पहुंच रहे हैं। कहा जा रहा है कि उनके जयपुर लौटने के बाद शाम 4 बजे शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों पर बात की। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस में कोई खेमेबाजी नहीं है और यह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विशेषाधिकार है कि वह कैसे मंत्रिमंडल का पुनर्गठन करते हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान कैबिनेट में राजनीतिक नियुक्तियां जल्द ही होंगी। मंत्री पद से अपने इस्तीफे पर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, यह सच नहीं है कि मैं अपना इस्तीफा सौंपने से नाखुश हूं। मैं पहले भी अपना इस्तीफा देने की पेशकश कर चुका हूं।

डीजीपी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ में चल रही डीजीपी कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। डीजीपी कॉन्फ्रेंस देर शाम तक चलेगी। प्रधानमंत्री लंच और डिनर डीजीपी मुख्यालय में ही करेंगे। प्रधानमंत्री के अलावा गृह मंत्री और दोनों गृह राज्य मंत्री कॉन्फ्रेंस में मौजूद हैं। पीएम मोदी रविवार को सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल होने के बाद दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इससे पहले, डीजीपी कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे प्रधानमंत्री का गृहमंत्री मुख्यमंत्री कई नेताओं ने स्वागत किया।

तीन बच्चों समेत अब तक 17 की मौत

आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई

बेंगलूरू। आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाके रखी है। जानकारी के मुताबकि, भारी से भारी बारिश के चलते अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से यहां का बुरा हाल है। कई इलाकों में मकान ढहने की खबर है। देर रात भारी बारिश के कारण अनंतपुर जिले के कादरी इलाके में एक पुरानी तीन मंजिला इमारत गिरने से तीन बच्चों और एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। इमारत के मलबे में अब भी चार से ज्यादा लोग फंसे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अंचल निरीक्षक सत्यबाबू ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। वहीं, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तिरुपति के टैंपल टाउन का है, जिसमें दिखाया जा रहा है कि बाढ़ के चलते सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं। तिरुपति के बाहरी इलाके में स्थित स्वर्णमुखी नदी में बाढ़ आ गई है और जलाशयों में पानी भर गया है। कई लोगों के बाढ़ में फंसे होने की खबर है। घाट रोड और तिरुमाला हिल्स के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। स्थिति को संभालने के लिए राष्ट्रीय और राज्य आपदा राहत टीमों को तैनात किया गया है और बचाव कार्य जोरों पर है।

वैन-टैंकर की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में सुबह सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। जिले के वलाना गांव में वैन और टैंकर की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे वतामन को भावनगर से जोड़ने वाली सड़क पर हुई। 'वैन में आठ लोग सवार थे। ये सभी आणंद खंभात जा रहे थे।

थाना में बैठे ऑन डियूटी बजावे पांडेजी सीटी

बुरहानपुर कोतवाली पुलिस के डांस का वीडियो वायरल

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले में डांस करते पुलिसकर्मियों का एक वीडियो वायरल हो गया है। जिले के कोतवाली थाने के लोकार्पण अवसर के बाद न केवल पुलिसकर्मियों ने ठुमके लगाए, बल्कि मौज-मस्ती करते नजर आए। वायरल वीडियो 42 सेकंड का है। इसमें पुलिसकर्मी दबंग फिल्म के गाने - थाना में बैठे, पांडेजी बजावे सीटी... पर डांस करते नजर आ रहे हैं। सीटी भी बजा रहे हैं। दरअसल, कोतवाली थाने की बिल्डिंग को नया स्वरूप दिया गया है। इसके ही लोकार्पण अवसर पर पुलिसकर्मी खुश और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। कोतवाली थाने की पुरानी इमारत जर्जर हो गई थी। लंबे समय से उसमें बदलाव की जरूरत थी। इस पर जिले के पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा ने जनसहयोग से इसका कायापलट करने की ठानी। करीब 18 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित कोतवाली थाने का लोकार्पण गुरुवार को किया गया। छप्पर वाले पुराने जर्जर भवन और कबाड़ के बजाय अब यहा नया भवन तैयार हो गया है। लॉकअप, वेटिंग रूम, वर्किंग रूम सहित अन्य कक्षों के निर्माण में भी तकनीकी बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है। छोटा-सा बगीचा तैयार किया जा रहा है।

प्रियंका का मिशन लखीमपुर जारी

लखीमपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानून बिल को वापस लेने की घोषणा तो जरूर कर दी, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे को छोड़ने वाली नहीं है। कम से कम प्रियंका गांधी की शनिवार सुबह हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रियंका गांधी ने जिस तरीके से लखीमपुर खीरी में हुए किसानों के नरसंहार मामले को प्रधानमंत्री मोदी के लखनऊ दौरे के दौरान उठाया, उससे एक बात स्पष्ट है कि कांग्रेस ने लखीमपुर खीरी मामले में पूरी तरीके से आक्रामक रुख अख्तियार किया हुआ है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक लखीमपुर मामले में प्रियंका गांधी ने अपनी कोर कमेटी के साथ कुछ चुनिंदा बिंदुओं पर चर्चा की है, जिसे अगले कुछ दिनों में अमल में लाया जाएगा।

अजय मिश्रा को मंत्रिमंडल से करें बर्खास्त

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी और कोर कमेटी ने यह तय किया है कि अगले कुछ दिनों में लखीमपुर में जान गंवाने वाले किसानों के परिवार से उनकी कमेटी के सदस्य न सिर्फ मिलेंगे, बल्कि मृतकों के परिवारवालों की ओर से भी इस बात को लेकर आवाज उठाई जाएगी कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए।

पेंशन व ब्याज दरों पर फैसला आज, राहत मिलेगी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के खाताधारकों को 2021-22 में मिलने वाली ब्याज दरों पर शनिवार को फैसला हो सकता है। ईपीएफओ ने दिल्ली में होने वाली सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक का सर्कुलर जारी कर दिया है और सदस्यों के लिए एजेंडा भी तय कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने मौजूदा न्यूनतम पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये करने की मांग रखी है। हालांकि, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी न्यूनतम पेंशन को 3,000 रुपये बढ़ा सकता है। चालू वित्तवर्ष के लिए ईपीएफ में जमा राशि पर ब्याज दरों पर भी फैसला हो सकता है, जो 8.50 प्रतिशन है। माना जा रहा है कि इसे बरकरार रखा जाएगा।

32 किसान संगठनों की अहम बैठक आज आंदोलन पर ले सकते हैं बड़ा फैसला

नई दिल्ली। कृषि कानूनों की वापसी के एलान के बाद पंजाब के 32 किसान संगठनों की आज बैठक होने जा रही है। दोपहर 2 बजे पंजाब के किसान संगठनों की बैठक होगी। बैठक में आगे की रणनीति तैयार करने पर मंथन किया जाएगा। वहीं, संयुक्त किसान मोर्चा (स्यरू) की आज होने वाली बैठक टल गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को सिंघू बार्डर पर 1 बजे संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक होगी। बैठक के बाद किसानों की अगली रणनीति का एलान किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कानूनों को वापस लेने का एलान किया। पीएम मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए एक साल से ज्यादा समय से कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों से आंदोलन खत्म करने की अपील की और अपने खेत व परिवार के बीच लौटने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि अगले महीने संसद के शीतकालीन सत्र में तीनों कृषि कानून को वापस लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इधर, कुछ किसान संगठनों ने मोदी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं, किसान संयुक्त मोर्चा ने आंदोलन खत्म नहीं करने का एलान किया है।

मैदान पहुंचा फैन, छुए रोहित शर्मा के पैर

रांची। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रांची में खेला गया। भारत की टी-20 टीम का कप्तान बनने के बाद रोहित शर्मा ने सकारात्मक शुरुआत की है। दूसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को हराने के बाद भारत ने इस सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली। टीम इंडिया ने जब जीत हासिल की उस समय 20 गेंदें फेंकना बाकी थीं। भारत की ओर से रोहित शर्मा और केएल राहुल ने अर्धशतक जड़े। जब टीम इंडिया फील्डिंग कर रही थी तो इस मुकाबले में एक अदुभुत नजारा देखने को मिला। रोहित शर्मा का एक फैन चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर उनके पास मैदान पर जा पहुंचा और उनके पैर छूने की कोशिश की। न्यूजीलैंड की पारी चल रही थी। ऐसे में रोहित शर्मा मैदान पर फील्डिंग कर रहे थे। इस दौरान उनका फैन भी उसी तरफ था जिस ओर रोहित मैदान पर मौजूद थे। हिटमैन के फैन ने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर मैदान पर प्रवेश कर रोहित के पास पहुंच गया। इस दौरान उसने रोहित के पैर छूना चाहे लेकिन हिटमैन ने उसे ऐसा दूर से करने के लिए कहा। इसके बाद फैन ने जमीन पर लेटकर रोहित शर्मा को प्रणाम किया। रोहित ने फैन से कहा कि यह कोविड का समय है और अगर कोई बाहर का व्यक्ति उन्हें छुएगा तो उन्हें क्वारंटीन रहना पड़ेगा। क्योंकि यह बायो-बबल का समय है जिसे क्रिकेटर बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा गार्ड भी रोहित के फैन का पीछा करता नजर आया। इससे पहले वह उसे पकड़ता रोहित का फैन मैदान से बाहर हो गया। हिटमैन के इस फैन का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया वायरल हो रही हैं।

लड्डू गोपाल का हाथ टूटा, खूब रोया पुजारी, अस्पताल लाया गया, हुई मरहम पट्टी

आगरा। हिंदू धर्म में कहा गया है कि भगवान भाव के भूखे होते हैं। इसकी जीवंत उदाहरण यूपी के आगरा में देखने को मिला है। यहां खेरिया मोड़ स्थित एक कृष्ण मंदिर में ऐसा ही देखने को मिला। लेख सिंह 35 साल से मंदिर में पुजारी हैं। लेख सिंह के मुताबिक, शुक्रवार सुबह जब उन्होंने स्नान के लिए लड्डू गोपाल को उठाता तो उनका हाथ टूट गया। इस पर पुजारी बैचेन हो उठे। वो लड्डू गोपाल को टोकरी में बैठाकर भागे-भागे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों से गुहार लगाई कि उनके लड्डू गोपाल का हाथ टूट गया है, जल्दी इलाज किया जाए, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस पर पुजारी जोर-जोर से रोन लगे। दीवार पर अपना सिर पटकरने लगे। इसके बाद एक सज्जन आगे आए, पर्ची कटवाई, लड्डू गोपाल को डॉक्टर के पास ले गए, उनकी मरहम पट्टी करवाई गई।

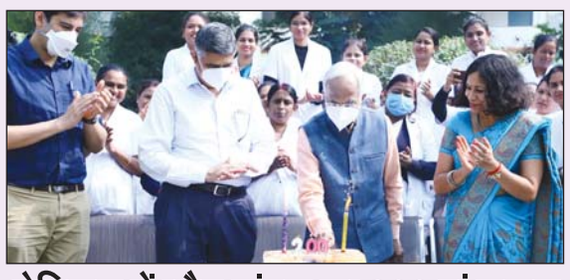

मेडिकल में ब्लैग फंगस का 200 वां सफल ऑपरेशन, चिकित्सकों ने बांटी खुशियां

जबलपुर। कोरोना के बाद ब्लैक फंगस के प्रकोप से मरीजों की जान बचाने में मेडिकल कालेज अस्पताल ने देश भर में नाम कमाया है। ब्लैक फंगस के 200वें मरीज के सफल आपरेशन की खुशियां केक काटकर बांटी गईं। करीब छह माह में ब्लैक फंगस के 260 मरीजों की जान बचाने में दायित्व का निर्वहन करने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को सम्मानित किया गया। नाक कान गला विभागाध्यक्ष डा. कविता सचदेवा ने बताया कि मेडिकल में ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या 10 में से छह बची है।ब्लैक फंगस को हराने वाले चार लोगों को गुरुवार को घर भेजा गया। वहीं अब तक 1400 मरीजों की एंडोस्कोपी की गई। जिसमें 150 एंडोस्कोपी ऐसी रहीं जिसके माध्यम से ब्लैक फंगस का आपरेशन किया गया। कुछ मरीजों के जबड़े निकाले गए। इस कार्य में चिकित्सकों के साथ जूनियर डाक्टर, अन्य स्टाफ ने कर्तव्य परायणता का परिचय दिया। ईएनटी, नेत्र, मेडिसिन, रेडियोलाजी, माइक्रोबायोलाजी, पैथालाजी समेत अन्य विभागों की ब्लैक फंगस मरीजों के उपचार में बड़ी भूमिका रही। आपरेशन थिएटर के कर्मचारियों व फार्मासिस्टों ने समय की परवाह नहीं की। उन्होंने बताया कि अधिष्ठाता डा. प्रदीप कसार की मौजूदगी में केक काटते हुए स्टाफ को प्रमाण पत्र बांटे गए। मेडिकल के अधीक्षक डा. राजेश तिवारी, उप अधीक्षक डा. अरविंद शर्मा समेत तमाम विभागाध्यक्ष, जूनियर डाक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

पूर्व केबिनेट मंत्री उमंग सिंघार ने की भाजपा की खिंचाई

कृषि कानून वापस होना ठीक, माफी मांगे भाजपा सरकार

जबलपुर यशभारत। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे उमंग सिंघार ने भाजपा की खिंचाई करते हुए कहा कि कृषि कानून वापस लेना ठीक है लेकिन भाजपा सरकार किसानों से और जनता से माफी मांगे। पूर्व केबिनेट मंत्री ने यह बात पूर्व पार्षद मंजुला मिश्रा के निवास्थान पर आयोजित हुई पत्रकारवार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीति में उपचुनावों के नतीजे आने के बाद से अचानक केंद्र सरकार राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी को आदिवासी किसान , दलित और महिला वर्ग की याद आने लगी है । जैसे कि आप सभी जानते हैं भारत के अन्नदाता किसानों के अब तक के सबसे बड़े आंदोलन के दबाव में सत्ता पक्ष के मुखिया और देश के प्रधानमंत्री ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी है । इस मौके पर पूर्व वित्त मंत्री तरूण भनोत, विधायक विनय सक्सेना, पूर्व पार्षद द्वारका मिश्रा, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे।

कल तक देशहित वाला कानून था पूर्व केबिनेट मंत्री उमंग ने पत्रकारवार्ता में कहा कि अब इसमें सवाल यह है कि कल तक जो कानून देश हित बताये जा रहे थे उन्हें वापस क्यों लिया गया । सवाल ये भी है कि इन कानूनों का समर्थन करने वालों को आतंकवादी देशद्रोही और गद्दार तक कहने में भक्तगण नहीं चूके । सवाल यह भी है कि इन आंदोलनों के दौरान हुई किसानों की मृत्यु एक सच्चे लोकतंत्र की विभीषिका है ।

चुनाव को लेकर समझौता कर रही भाजपा सरकार

इसमें हमारा कहना यह है कि प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी ये जवाब दे कि ये कानून देशहित में न होकर केवल अपने कुछ पूंजीपति मित्रों के हित में थे और इसके लिए देश से माफी मांगे या फिर ये समझा जाये कि यदि मोदी सरकार इसे देशहित के कानून मानती थी तो क्या पंजाब और उत्तरप्रदेश के चुनावों को लेकर देशहित से उन्होंने समझौता कर लिया । ये अच्छे से जानते हैं कि तथाकथित बहुमत जो वर्तमान में इनके पास है इसकी दम पर किसी काले कानून को देशहित में साबित नहीं किया जा सकता इसलिए इन्हें किसानों से माफी मांगनी चाहिए ।

मृत किसानों को शहीद का दर्जा दिया जाए

आदिवासी नेता उमंग सिंघार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि तीसरा इन आंदोलनों के दौरान हुई किसानों की मृत्यु राज्य प्रायोजित हत्या की श्रेणी में आती है । इसको लेकर हमारी मांग है कि इन मृत किसानों को शहीदों का दर्जा दिया जाए और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नोकरी और आजीवन पेंशन दी जाये । जिस तरह से शिवराज सरकार ने मीसाबंदीयों को पेंशन की व्यवस्था की है उसी तजज़ू पर नही तो मोदी सरकार के ऊपर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मानने वाले किसानों की राज्य प्रायोजित हत्या को लेकर सरकार पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो इन तीन कृषि कानूनों को वापस करवाकर किसानों सम्पूर्ण विपक्ष और खासकर हमारे नेता सोनिया जी राहुल जी प्रियंका जी समेत सभी वो लोग जो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं उन्हें बधाई और जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से खिलवाड़ करते हैं उन्हें ये चेतावनी है कि देश में बहुमत की आड़ में जनविरोधी नीतियों की कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

समूह बीमा कटौती राशि बढाने की मांग

सातवें वेतनमान के अनुरूप हो बीमा कटौती

जबलपुर। मप.तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के शिक्षक-अध्यापक प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष मुकेश सिंह ने जारी विज्ञप्ति में बताया की पिछले 17 वर्षों से राज्य कर्मचारियों/अधिकारियों की समूह बीमा योजना अंतर्गत वेतन से जो राशि काटी जा रही है वो इस प्रकार है चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का 100 तृतीय श्रेणी कर्मचारियों का 200 द्वितीय श्रेणी अधिकारी 400 एवं प्रथम श्रेणी अधिकारियों का 600 । जबकि पिछले 16 वर्षों में कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन लभगम तीन गुना हो गया है किन्तु बीमा राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। राज्य कर्मचारियो/अध्यापक संवर्ग को 2016 से सातवां वेतनमान दिया जा रहा है किन्तु समूह बीमा राशि पांचवें वेतनमान से काटी जा रही है। ऐसी स्थिति में यदि सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो उसके आश्रित परिवार को मात्र 2.5 लाख बीमा राशि ही मिल पाती है जो मंहगाई को देखते हुए बहुत कम है। संघ के मुकेश सिंह, मनीष चौबे, श्यामनारायण तिवारी, नितिन अग्रवाल, गगन चौबे, प्रणव साहू, मनीष लोहिया, मनोज सेन,

मनीष शुक्ला, धीरेन्द्र सोनी, मो.तारिख, संतोष तिवारी, सुदेश पाण्डे नितिन शर्मा, विनय नामदेव, आदित्य दीक्षित, विजय कोष्टी, सतीश पटैल, सोनल दुबे, राजकुमार सिंह, देवदत्त शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, ब्रजेश गोस्वामी, पवन ताम्रकार, मनोज पाटकर, अनुराग मिश्रा आदि ने मुख्य सचिव मप्र शासन को ई-मेल के माध्यम से पत्र प्रेषित कर मांग की है कि तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की समूह बीमा योजना अंतर्गत काटी जानी वाली राशि सातवें वेतनमान के अनुरूप रू 1000 प्रतिमाह की जावे जरूरी है कोरोना वैक्सीन के 2 डोज।

कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगवाएं अधिकारी कर्मचारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय ने समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों से स्वयं एवं अपने परिवार के सभी सदस्यों को कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगवाने की अपील की है। मोर्चा के पदाधिकारियों को जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ सरकारी कर्मचारी और उनके परिवारों के सदस्यों ने दोनों डोस नही लगवाये है। वैक्सीन लगवाने में यदि किसी प्रकार की समस्या है तो मोर्चा के पदाधिकारियों को सूचित करें वह सहायता के लिए तैयार है। महामारी से निपटने में सरकार का भरपूर सहयोग करने का संकल्प लिया गया। सरकारी कर्मी अपनी डियूटी के साथ अपना सामाजिक कर्तव्ययों का निर्वहन करेंगे। मोर्चा जिला शाखा अध्यक्ष के साथ सभी पदाधिकारियों ने घर घर जाकर वैक्सीन लगाने का कार्य कर रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की भूरी भूरी प्रसंसा की है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संरक्षक योगेन्द्र दुबे,जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, रविकांत दहायत,अजय दुबे, संतोष मिश्रा,नरेश शुक्ला,प्रशांत सोंधिया, मुकेश चतुर्वेदी, योगेश चौधरी, देव दोनेरिया ,संजय गुजराल, एस. के. वांदिल, सिहोरा तहसील अध्यक्ष योगेन्द्र मिश्रा, अर्जुन सोमवंसी,धीरेंद्र सिंह ,प्रदीप पटैल ,मुकेश मरकाम, मनोज रॉय, नरेंद्र सेन, नेतराम झारिया, आशीष उपाध्याय, राजू मस्के , आलोक अग्निहोत्री,दुर्गेश पांडेय ने निर्णय लिया है कि वह अपने परिचित अधिकारियों और कर्मचारियों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करेंगे।

स्व. अशोक सिंघल को विहिप की श्रद्धांजलि

जबलपुर यशभारत। विश्व हिंदू परिषद रानी दुर्गावती जिला द्वारा श्री राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार स्व. अशोक सिंघल को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला मंत्री राजेश रैकवार ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को विश्व भर में फैले हिंदू समाज को जागृत करने एवं उनके स्वाभिमान को पुन: स्थापित करने और हिंदू समाज को जागृत करने वाले हिंदू हृदय सम्राट थे। 7 जिनके नेतृत्व में जागृत होकर हिंदू समाज को लगभग 500 वर्षों से पीड़ा देने वाले ढांचे को ढहाने का नेतृत्व किया। उपाध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि संपूर्ण विश्व में हिंदू जाति का गर्व से सिर ऊंचा करने वाले गौरवशाली महापुरुष को सादर शत शत नमन है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम विहिप के जिला कार्यालय में बड़ी खरमाई मंदिर परिसर भानतलैया में किया गया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष दिलीप बर्मन सहमंत्री उमेश राठौर दीपक तिवारी प्रान्त सामाजिक समरसता प्रमुख संतोष चौबे, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख सत्यम रैकवार सुमितसिंह ठाकुर पण्डित प्रदीप दुबे विवेक यादव डॉ डी पी गुजर शरद सिंह लोधी विशाल इटोरिया आनद तिवारी सहित अनेक विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंगदल के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ क्षेत्रीय गणमान्य जन उपस्थित रहे।

महाआरती में दिया जनसंदेश, प्रकाश पर्व मानवता का है परिचायक

जबलपुर। परशुराम धाम में सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरुनानक देव जिन्होंने 1699 में सिख पंथ धर्म की स्थापना की थी।बलजीत सिंह सरदार जी ने बताया हिंदू धर्म की रक्षा के लिए सिख पंथ की स्थापना हुई थी यह मानवता का उत्तम उदाहरण है, साथ ही संपूर्ण ब्राह्मण मंच द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। मंच के प्रवक्ता धनंजय बाजपेई ने बताया जाति धर्म से बड़ा राष्ट्रधर्म है। मंच सभी स्वजातीय बंधुओं का अभिनंदन करता है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अमित खम्परिया द्वारा भगवान परशुराम जी की मूर्ति की स्थापना सामाजिक अवधारणा को एक करना है। महासचे डा अरुण मिश्रा, अनिल दुबे, यदुवंशी मिश्रा, सभी की उपस्थिति में मानव धर्म को ही श्रेष्ठ माना जाता है।पंडित धनंजय बाजपेई जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। अश्विनी वैद्य, विवेक मिश्रा, ऋषि गौतम को ब्राह्मण मंच की ब्राम्हण सदस्यता दी गई।

पश्चिम मध्य रेल ने रेवेन्यू में तीन हजार करोड़ रुपये को किया पार

जबलपुर यश भारत। भारतीय रेल की अर्थव्यवस्था रेल के पहियों की तरह आगे की ओर बढ़ रही है। कोविड की चुनौतियों के बावजूद पश्चिम मध्य रेल रेलवे आय की

पिछले वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक आय

वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। पमरे महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में रेलवे की आय वृद्धि त्वरित गति की ओर अग्रसर है। पश्चिम मध्य रेल ने इस वर्ष 2021 के अप्रैल से अक्टूबर तक कुल रुपये 3074 करोड़ रेल राजस्व अर्जित किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 32 प्रतिशत अधिक रही। पमरे ने पैसेंजर यातायात में अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक रेलवे रेवेन्यू रुपये 683 करोड़ जो कि गत वर्ष की रेवेन्यू रुपये 114 करोड़ की तुलना में 500 प्रतिशत रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। इसके अलावा अन्य कोचिंग रेवेन्यू से रुपये 77 करोड की आय अर्जित हुई है। इसी प्रकार पिछले सात माह से लगातार सबसे अधिक आय का भाग माल ढुलाई में पुन: वृद्धि रखते हुए माह अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक पिछले वर्ष के इस अवधि की तुलना में अधिक रुपये 2241 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त संडुरी रेवेन्यू में भी पिछले वित्तिय वर्ष के इस अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रुपये 72 करोड़ प्राप्त किया है। इस प्रकार पमरे ने अप्रैल से अक्टूबर 2021 तक रेल राजस्व की आय में कुल रुपये 3073 करोड़ में वृद्धि हुई जो कि इसी अवधि में पिछले वर्ष की तुलना 32 प्रतिशत अधिक है।

विकास के कार्यों में गति प्रदान के लिए निरंतर प्रयास

यात्री यातायात के लिए अधिक से अधिक सुविधाओं का विस्तार करके रेल यात्रा को सुरक्षित और बेहतर बनाया जा रहा है। पमरे में 95 प्रतिशत यात्री गाड़ियों का संचालन पुन: प्रारंभ और चरणबद्ध तरीके से इसे बढ़ाया जा रहा है। अब तक पमरे से प्रारंभ एवं गुजरने वाली कुल 750 से अधिक यात्री गाड़ियों का संचालन हो रहा है।

माढ़ोताल में शातिर बाइक चोर को पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। शहर में बाइक चोर गैंग कुहराम मचा रही है। एक ऐसे ही शातिर बाइक चोर को पुलिस ने दबोच लिया, जिसके कब्जे से बाइक जब्त कर, कार्रवाई की गई। एएसआई बसोरी लाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बाइक क्रमांक एमपी 20 एनएस 6181 चोरी हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर संदीप यादव पिता भैया लाल उम्र 29 साल निवासी चमन नगर, अधारताल को दबोचा गया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह बर्फानी कॉलोनी माढ़ोताल में काम करता है। बाइक को वह बेचने के लिए लाया था, लेकिन नियत खराब होने के कारण उसने बाइक को अपने ही घर के पीछे छुपाकर रख दिया था। पुलिस ने बाइक जब्त कर, आरोपी को दबोच लिया। जिससे पूछताछ जारी है।

कृषि बिल की वापसी पर लेबर यूनियन एवं एससी, एसटी यूनियन ने बांटी मिठाईयां

जबलपुर यशभारत। विगत 1 वर्षों से भी अधिक समय से तीन कृषि कानून के खिलाफ आंदोलनरत किसानों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु पर्व के दिन यह घोषणा कि कृषि कानून बिल वापस लिए जाएंगे पर ओ एफ के लेबर यूनियन एवं एससी एसटी यूनियन ने किसानों के जज्बे को सलाम किया उन्हें जीत पर उन्हें शुभकामनाएं दी एवं मिष्ठान वितरण कर हर्ष जताया।कार्यक्रम के दौरान यूनियन के अर्णब दासगुप्ता पुष्पेंद्र सिंह हरिहर मीणा शशि भूषण पासवान ने कहा कि किसानों की यह जीत निश्चित ही हम रक्षा कर्मचारियों के लिए एक सबक है। जिस तरह कृषि कानून के खिलाफ किसान भरी गर्मी ठंड और बारिश में अपनी एकजुटता दिखाते हुए आंदोलन करते रहे जिसके परिणाम स्वरूप जीत हासिल हुई है। नेताओं ने कहा कि हम भी अंतिम दम तक निगमीकरण एवं ई डी एस कानून के खिलाफ लड़ते रहेंगे ।निश्चित ही हम सुरक्षा कर्मचारियों को भी जीत हासिल होगी। कार्यक्रम के दौरान कामगार यूनियन के दो पदाधिकारी विक्रम एवं राजेंद्र हंटाल ने कामगार यूनियन को त्याग कर लेबर यूनियन की सदस्यता ली , जिनका स्वागत यूनियन के डी बी थापा , रामावतार , शरद एवं राकेश रंजन आदि नेताओं ने किया ।

पहली बार किसान बना मुख्य मुद्दा : नरेन्द्र त्रिपाठी

जबलपुर यशभारत। पिछले वर्ष मोदी सरकार ने किसानों की स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन का नाम देते हुए कृषि सुधार संबंधी तीन बिल पास किये। उसके अनेक लाभ गिनाए। इसी बीच किसानों का आंदोलन इन तीनों बिलो को रद्द करने के लिए शुरू हो गया। आंदोलन शुरू होते ही सरकार ने आंदोलित किसान संगठनों से चर्चा प्रारंभ कर दी। केंद्रीय मंत्री तोमर बार बार ये पूँछते नजर आए कि इसमें क्या गड़बड़ी है,इसमें क्या सुधार करें क्या संशोधन करें। पर गड़बड़ी,सुधार और क्या नया संशोधन किया जाए का एक ही उत्तर किसान संगठनों द्वारा सामने आता रहा-तीनों बिल वापस लो। फिर आंदोलन में राजनैतिक दल टूट पड़े इसी के साथ सरकार और किसान संगठनों के बीच दूरी बढ़ गई। आपसी चर्चाएँ केवल मीडिया द्वारा होने लगी।

वैदिक ज्योतिष समाधान

कुंडली निर्माण/फलादेश, कुंडली मिलान/गुण मिलान, नौकरी/व्यापार, बाधा, शैतान बाधा, विवाह बाधा/स्वास्थ्य समस्याएँ , कानूनी विवाद/पारिवारिक विवाद,पितृदोष/मंगलदोष/ऋणदोष आदि कुंडली दोषो आदि किसी भी तरह की जीवन से जुड़ी समस्याओं के वैदिक ज्योतिष समाधान के लिए संपर्क करें।

ज्योतिषाचार्य आशीष कुमार रांझी, जबलपुर
मो./वॉट्सएप 8319296558, 9165367125,
समय: 9 AM से 10 PM

अब नई श्रृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010

अब नये परिवेश में
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नीशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कम्बल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एम्पोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल, कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी रंग डिजाइन, मिंक कम्बल, रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

Roasted Food Junction
Badi Omti Chowk
Pure & Tasty AK's Special Jabalpur
गर्मी के मौसम में स्पेशल सतू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार
अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
मो. -9301997304,7987145201

शहर के शौचालय बदइंतजामी में

तिलवारा के सामुदायिक शौचालय में ताला

पानी की समस्या बनी अहम कारण, परेशान हो रहे लोग

जबलपुर, यशभारत। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर निगम द्वारा सामुदायिक शौचालय शहर में बनाए गए हैं। इनका मकसद यही था कि शहर में स्व'छता बनी रही लोगों को प्रसाधन के लिए परेशानी न उठाने पड़े। परंतु यह व्यवस्था पटरी से उतर आई है इसका उदाहरण है तिलवारा का सामुदायिक शौचालय। पानी के अभाव में शौचालय में शाम होते ही ताला लग जाता है। क्षेत्रीयजनों का कहना है कि पानी के अभाव इसलिए सामुदायिक शौचालय ज्यादा देर तक नहीं खुलता है।

पूर्णिमा के दिन परेशान हुए लोग

उल्लेखनीय है कि पूर्णिमा के दिन नर्मदा तटों पर श्रदालुओं की भारी भीड़ थी। जिले सहित दूर-दराज से श्रदालुओं का आना होता है। बताया जा रहा है कि तिलवारा पहुंचे कुछ श्रदालुओं को परेशानी उठानी पड़ी। दरअसल प्रसाधन के लिए जब लोग सामुदायिक शौचालय पहुंचे तो वहां ताला लगा हुआ था।

जल्दी बंद हो जाता है शौचालय

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि सामुदायिक शौचालय सभी दिन तो खुला रहता है परंतु पूर्णिमा के दिन जल्दी बंद हो गया था। लोगों का कहना था कि पानी की कमी के कारण त्यौहारों में सामुदायिक शौचालय जल्द बंद हो जाता है। पूर्णिमा के दिन भी यही हुआ नगर निगम के सुबह जब नल आए थे उसमें शौचालय की टंकी भर दी गई थी। लेकिन लोगों को तिलवारा 'यादा आना हुआ और शौचालय की टंकी खाली हो गई और इस वजह से कर्मचारी शौचालय में ताला लगाकर घर चले गए।

व्यवस्थाएं हो दुरुस्त

तिलवारा के क्षेत्रीय लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि सामुदायिक शौचालय नियमित रूप से संचालित हो इसके लिए नगर निगम को पानी की पर्याप्त व्यवस्था करना चाहिए। शौचालय के पास बोर करा देने से पानी की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

आरटीई के तहत नया प्रावधान

75 फीसदी अटेंडेंस और फोटोग्राफ देने के बाद निजी स्कूलों को मिलेगी राशि

जबलपुर, यशभारत। शिक्षा का अधिकार के तहत निजी स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि के लिए 75 फीसदी अटेंडेंस के साथ ही ऑनलाइन कक्षाओं के फोटोग्राफ देने होंगे। प्रूफ देने के बाद ही स्कूलों को यह राशि दी जाएगी। शिक्षा से वंचित वर्ग के परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों द्वारा मुफ्त में प्रवेश दिया जाता है। इस प्रवेश के बदले में स्कूलों को शिक्षण शुल्क के रूप में फीस प्रतिपूर्ति की राशि मिलती है। इस मामले में स्कूलों की जा रही गड़बड़ी को रोकने के लिए उक्त नए प्रावधान किए गए हैं। जिले में 800 से अधिक प्राइवेट स्कूल हैं, जिनमें ऐसे करीब 6 हजार छात्र प्रवेशित बताए जा रहे हैं।

न लगी कक्षाएं न हुए प्रवेश

सत्र 2020-21 में कोविड-19 के कारण स्कूलों का संचालन प्रभावित था। न तो कक्षाएं लगीं, न ही प्रवेश हुए, फिर भी स्कूलों द्वारा फीस प्रतिपूर्ति की मांग की गई।

सम्बद्धता होगी समाप्त

सूत्रों के अनुसार छात्र के आधार सत्यापन के उपरांत ऑनलाइन कक्षा के कुल दिवस तथा छात्र की वार्षिक उपस्थिति स्कूलों को दर्ज करनी होगी। यह उन्हीं छात्रों की होगी जिनके द्वारा ऑनलाइन कक्षा में अध्ययन अध्यापन

स्कूल शिक्षा विभाग का निर्णय, परेशानी में निजी स्कूल

किया गया है। यदि किसी स्कूल की ऑनलाइन कक्षा न लगने की शिकायत मिली तो सम्बंधित स्कूल की सम्बद्धता भी समाप्त की जा सकती है।

इस तरह की गई सख्ती

- बायोमेट्रिक मशीन से ईकेवायसी सत्यापन
- . ऑनलाइन कक्षा संचालन पर ही मिलेगी राशि
- ऑनलाइन क्लास के फोटोग्राफ करने होंगे अपलोड
- ऑनलाइन क्लास वाले स्कूल दायरे से बाहर
- स्कूल का फीस स्ट्रक्चर करना होगा अपलोड
- छात्र की मार्कशीट, प्रतिशत ग्रेड करना होगा अपलोड

गर्मी के पहले जलसंकट

टैंकर पहुंचते ही खाली हो जाते हैं, रातभर पानी भरते है लोग

जबलपुर, यशभारत। ठंड शुरू हो गई है लेकिन अधारताल, मोहरिया, पुनीत नगर आदि क्षेत्रों में पानी की किल्लत बनी हुई है। इन क्षेत्रों में लोगों को घरों के पानी के पम्प फेल हो गए हैं। लोग नगर निगम के टैंकरों पर आश्रित हो गए हैं। आलम यह है कि यहां सुबह से लेकर रात तक टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है लेकिन उसके बाद भी पानी कम पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यहां पानी की लाइन नहीं होने की वजह से यह परेशानी आ रही है।अधारताल के मोहरिया, पुनीत नगर सहित अन्य क्षेत्रों का विकास तो हो रहा है लेकिन पेयजल की पाइन लाइन नहीं बिछाई गई है। इससे यहां लोगों ने हैंडपम्प खुदवाए हैं लेकिन इन पम्पों के सूख जाने से लोगों को पानी का संकट झेलना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोग कहते हैं कि वैसे साल भर टैंकर से पानी की सप्लाई की जाती है लेकिन फिर भी मांग अधिक होने से हमेशा पानी की किल्लत बनी रहती है।

अधारताल के मोहरिया, पुनीत नगर में पानी को लेकर मचा हाहाकार

50 टैंकर प्रतिदिन

अधारताल तिराहे के समीप वॉटर रिफिलिंग सेंटर में बातचीत के दौरान यह सामने आया कि प्रतिदिन इन क्षेत्रों में करीब 50 टैंकर पानी भेजे जाते हैं। यह टैंकर सुबह 7 बजे से लेकर रात करीब 12 बजे तक भेजे जा रहे हैं। पानी पहुंचाने के लिए पांच टैंकर हैं, जिसमें पानी भरते ही इन्हें इन क्षेत्रों में भेज दिया जाता है।

होता है टैंकर का इंतजार

क्षेत्र में स्थिति यह बन गई है कि परिवार का एक सदस्य टैंकर का इंतजार करता रहता है। टैंकर आते ही पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है, जिससे यह टैंकर दस मिनट में ही खाली हो जाता है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर तो पूरा परिवार पानी भरने लग जाता है, जिससे टैंकर जरा सी देर में खाली हो जाता है।

सूपाताल में 'निगरानी की कमी का दाग'

तालाब में जम रही सिल्ट सौंदर्यीकरण में लग रहा ग्रहण

जबलपुर, यशभारत। मदनमहल पहाड़ी के किनारे सूपाताल के सौंदर्यीकरण में 'निगरानी की कमी का दाग' दिखाई देने लगा है। इस तालाब में उतारी गई बच्चों के मनोरंजन के तहत पैडल बोट पानी में डूबने की कगार पर है। तालाब के किनारे जुटाई गई सुविधाएं दम तोड़ रही हैं। आलम यह हो गया है कि यहां पानी में सिल्ट जम रही है, जिससे यहां जंगली जलीय पौधे उग रहे हैं। इनसे किनारों को खतरा पैदा हो गया है।मेडिकल मार्ग पर शारदा मंदिर चैक और पुरवा के बीच में सूपाताल है। इस तालाब का पुराना एहतिहासिक महत्व है। तालाब में पहाड़ी की ओर पुराने मंदिर बने हुए हैं। तालाब का सौंदर्यीकरण भी किया गया है। सौंदर्यीकरण के तहत तालाब को चारों ओर से पक्का किया गया है। तालाब में मिलने वाले आउटलेट को बंद किया गया है। तालाब के चारों ओर पाथवे बनाया गया है। तालाब में रात के समय चलने वाले फाउंटेन लगाए हैं। लोगों के मनोरंजन के लिए पैडल बोट आदि भी पानी में उतारे गए थे। तालाब के किनारे एक रेस्टारेंट भी बनाया गया है।

फेंका जा रहा है कचरा

तालाब में कचरा फेंका जा रहा है। यह कचरा पानी के साथ किनारे लग तो जाता है लेकिन इसके लगातार पडे रहने से यह सिल्ट में तब्दील हो जाता है। जानकार कहते हैं कि तालाब में कहीं न कहीं से कचरा फेंक दिया जाता है। कई बार लोगों को मना किया गया है लेकिन विवाद होने की स्थिति में मामला शांत हो गया।

सडक की ओर तालाब में सिल्ट

कचरा फेंकने की वजह से तालाब में सबसे 'यादा सडक की ओर सिल्ट जम रही है। तालाब के दो घाटों पर लोगों की निगरानी होने की वजह से यहां लोग कचरा आदि नहीं फेंक पा रहे हैं, जिससे यहां सिल्ट नहीं है। अन्य जगहों पर सिल्ट जम रही है, जिससे यहां जलीय पौधे उग रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि ये पौधे तालाब के किनारों पर चढ़ गए हैं। इससे तालाब के किनारों पर लगे पत्थरों के खिसकने का खतरा बना हुआ है।

नहीं होती है सफाई

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यहां पाथवे सहित तालाब के पानी में सफाई नहीं की जाती है। इससे यहां चारों ओर कचरा फैल रहा है। स्थिति यह हो गई है कि तालाब में प्रवेश द्वार के दोनों ओर कचरा फैला हुआ है। इस जगह से पाथवे तक लोग पहुंच रहे हैं। तालाब के पानी से कचरे की वजह से दुर्गंध आने लगी है।

उग गई वन सिंघा ?ी

तालाब में सफाई नहीं होने से किनारों पर वनसिंघा ?ी पैदा हो रही है। जलीय खरपतवार की श्रेणी में आने वाली वनसिंघाड़ी से तालाब में सिल्ट होने की आशंका बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वन सिंघाड़ी नहीं हटाने से तालाब का पानी खराब हो सकता है। इससे यहां मछली की पैदावार भी प्रभावित हो सकती है।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एंप्लाइज यूनियन की क्रमिक भूख हड़ताल का पांचवा दिन पूर्ण

जबलपुर यश भारत। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के तत्वावधान में विगत कड़कड़ाती ठंड में जबलपुर के कोचिंग काम्पलेक्स परिसर में ट्रेन लाइटिंग व एसी स्टाफ की क्रमिक भूख हड़ताल पांचवा दिन में भी पूर्ण हो गया लेकिन रेलवे प्रशासन द्वारा अभी तक उनकी मांगों को हल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जिससे कि वेस्ट सेंट्रल रेलवे एंप्लाइज यूनियन मैं आक्रोश व्याप्त है/ कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर किये जा रहे आंदोलन को रेल प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लेने पर डबलूसीआरईयू ने रेल प्रशासन को नोटिस दिया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि 22 नवम्बर के पहले मामले का निराकरण करें।

अंतरराज्यीय बस टर्मिनल बनने के बाद भी अस्थाई बस स्टेण्ड खत्म नहीं हुए

मेडिकल - दमोहनाका में आज भी सवारी भरी और उतारी जा रही हैं

जबलपुर, यशभारत। अंतरराज्यीय बस टर्मिनस (आईएसबीटी) बनने के बाद भी निजी बस परिचालन पटरी पर नहीं आ सका। पुराने बंद किए गए बस अड्डों से चोरी-छिपे बसें रवाना की जा रही हैं। इसके अलावा बस ऑपरेटरों ने इसके अलावा बसों को सडक से रवाना करने की नई तरकीब निकाल ली है। बस ऑपरेटरों ने पिसनहारी की मढ़िया से लेकर मेडिकल के गेट के सामने तक बसें खड़ी करनी शुरू कर दी है, जिससे वे सडक से ही यात्री बिठा रहे हैं, जिन्हें आईएसबीटी से कोई सरोकार नहीं है।

आईएसबीटी बनने के बाद दमोहनाका, पुराना बस स्टैंड और मेडिकल के पिसनहारी की मढ़िया में चल रहे बस अड्डों को समाप्त कर दिया गया है। आईएसबीटी से ही समस्त बसों के परिचालन की व्यवस्था की गई थी। आईएसबीटी के शुरू होने के बाद आलम यह हो गया कि यहां चंद दिनों के बाद बस ऑपरेटरों ने अपने-अपने ठिकानें बना लिए और वे वहां से बसों को रवाना करने लगे। इससे करो?ों रुपए के सेटअप बनाने के बाद भी प्रशासन बस परिचालन ठीक नहीं कर सका।

छोटी-बड़ी बसों का जमावड़ा

पिसनहारी की मढ़िया के पुराने बस स्टैंड से लेकर तिलवाराघाट रोड स्थित मेडिकल के मुख्य प्रवेशद्वार के सामने तक छोटी-बड़ी बसों की कतार लगा दी जाती है। इससे सडक का एक हिस्सा यातायात के लिए पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। इस जगह पर हमेशा जाम के हालात बनते हैं।

सडक पर ही बुकिंग

जानकारों का कहना है कि इन जगहों से बरगी, भेड़ाघाट, राजमार्ग आदि की ओर जाने वाले यात्रियों को सडक से ही बिठाया जाता है। इस यात्रियों की टिकट भी सडक पर ही काटी जाती है। उधर, यह भी बताया गया है कि भी? होने की वजह से बस के भीतर टिकट काटी जा रही है और सामने से आने वाली बस से बुकिंग कर्मी वापस मेडिकल आ जाता है।

तिलवारा-ग्वारीघाट की बिगड़ी खूबसूरती

सौंदर्यीकरण मिटने की कगार पर, उखड़ रहे धौलपुरी पत्थर

जबलपुर, यशभारत। ऐतहासिक महत्व, लोगों की आस्था और पर्यटन को देखते हुए शहर के संवारे गए ग्वारीघाट और तिलवाराघाट नर्मदा तट बदहाल हो गए हैं। इन तटों पर किया गया लाखों रुपए का सौंदर्यीकरण मिटने की कगार पर पहुंच गया है। तटों के हाल यह हो गए हैं यहां कीमती धौलपुरी पत्थर उखड़ रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए पिलर पानी में गिर गए हैं। लोहे की जंजीर गायब हो चुकी है। निगरानी के अभाव में लोग पत्थरों से होते हुए नदी के बीच में पहुंच रहे हैं, जो खतरनाक साबित हो सकता है।

शहर के नर्मदा तट ग्वारीघाट को पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है। ग्वारीघाट में नियमित रूप से रोजाना मां नर्मदा की आरती भी की जाती है। इसके लिए नया तट बनाया गया है। इस तट को बनारस की तर्ज पर धौलपुरी पत्थरों का इस्तेमाल करके इसे बनाने की कोशिश की गई है। इसके अलावा तिलवाराघाट में भी पुराने और नए पुल के बीच में नर्मदा तट का विकास किया गया है। धौलपुरी पत्थरों के बीच नदी किनारे पत्थर के पिलर लगाकर उस पर लोहे की जंजीर बांधी गई है ताकि पर्यटक इसके आगे न जा सके।

ये है हालत

ग्वारीघाट

बारिश में नर्मदा का जल स्तर बढने के दौरान पानी सडक तक पहुंच गया था, जिससे ये तट पानी में समाहित हो गया था। जलस्तर कम होने के बाद यहां की हालत यह है कि जगह-जगह से पत्थर उख ? गए हैं। यहां मंदिरनुमा ढांचे के गुंबज क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। पिलर की जंजीर गायब हो चुकी है। पत्थरों के किनारे पानी के बहाव से कट गए हैं।

दो वर्ष से टूटा मंदिरनुमा ढांचे की नहीं हुई मरम्मत

ग्वारीघाट के उमाघाट में सौंदयीकरण के तहत बनाया गया मंदिरनुमा एक ढांचा दो वर्ष पहले पानी के बहाव में क्षतिग्रस्त होकर बह गया था, जिसे अब तक नहीं बनाया गया है। इसी तरह इस बारिश में भी दो मंदिरनुमा ढांचे क्षतिग्रस्त चुके हैं।

तिलवाराघाट

तिलवाराघाट में भी बारिश के पानी से जलस्तर बढ़ा था। यहां पानी के बहाव से सबसे 'यादा क्षति हुई है। तट पर लगाए गए पिलर गिर गए हैं। दो पिलर तट के किनारे पानी में दिखाई दे रहे हैं। पिलर के किनारे के पत्थर उखड़ चुके हैं, जिससे नदी के किनारे एक ब ?ा हिस्सा पत्थरविहीन उबड़खाबड़ हो गया है।

पुराने पुल तक के पत्थर क्षतिग्रस्त

तिलवाराघाट में पुराने पुल तक के धौलपुरी पत्थर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। क्षेत्रीय लोगों के मुताबिक दो वर्ष पहले जलस्तर बढने के साथ ये क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिसके बाद इसकी मरम्मत नहीं की गई है। इस बार तट के किनारे को पानी के बहाव ने उखाड़ दिया है।

गैबीनाथ मंदिर पुरवा में चली भागवत कथा का समापन

जबलपुर। श्री गैबीनाथ मन्दिर पुरवा में चल रही भागवत पुराण का समापन हवन,कन्या भोज,भंडारे के साथ संम्पन्न हुआ।श्री गैबीनाथ सेवा समिति सदस्यों की ओर से व्यासजी श्री (शास्त्री)कमलेश गौतम व यजमान श्री विजय /दुर्गा तिवारी का मंच से के स्वागत किया गया।यजमान व समिति की ओर से सभी भक्तों का आभार प्रकट किया गया।समिति सदस्यों में डॉ-बी.पी.अवस्थी, अभय शंकर प्यासी, अजय अवस्थी, ह्रदय पाठक,नरेन्द्र गौतम, अंजुल तिवारी,अतुल अवस्थी, उपस्थित रहे।

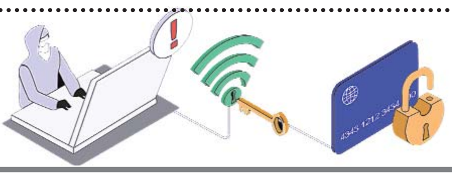

संपादकीय

किसानों की लोकतांत्रिक लड़ाई को सम्मान

यह बहस का विषय हो सकता है कि गुरु पर्व पर तीन विवादित कृषि कानूनों की वापसी राजनीतिक यू-टर्न है या मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक, लेकिन हकीकत यह है कि एक साल से आंदोलित किसानों के धैर्य की अब और परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए थी। भारत में खेती महज जीविका का साधन ही नहीं है, वह किसान की अस्मिता का प्रतीक भी है। कर्ज में डूबकर और आत्महत्याओं के बीच उसका खेती से जुड़े रहना, उसकी अस्मिता के प्रतीक होने की गवाही देता है। संभव है कि नरेंद्र मोदी के इस कथन में कोई भी दम हो कि हम इनके मकसद से किसानों को भरोसे में नहीं ले सके, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि ये कानून जिस स्तर पर व्यापक विमर्श की मांग करते थे, वैसा नहीं हुआ। मोदी सरकार यह भूल गई है कि भारत में खेती तर्कशीलता व आधुनिकीकरण के सवाल के इतर गहरी राजनीति का विषय भी रहा है। इस मुद्दे का राजनीतिकरण होना था और हुआ भी। लेकिन इस बीच इस मुद्दे पर बहस नहीं हुई कि ग्लोबल वार्मिंग संकट से खतरे में आती खेती को बचाने के लिये फसलों के चक्र में कैसे बदलाव होने चाहिए। लगातार गिरते जल स्तर के बीच परंपरागत फसलों के स्थान पर किन नकदी फसलों की जरूरत है। दरअसल, किसानों को वोट बैंक मानकर उसे लुभाने को मुफ्त के वायदे तो होते हैं, लेकिन किसान किन वजहों से आत्मघाती कदम उठा रहा है, उसकी चर्चा नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि खेती-किसान से जुड़ी अस्मिता के चलते ही देश में सबसे ज्यादा मुखर व्यापक आंदोलन पंजाब में हुआ। देश ही नहीं, पूरी दुनिया के पंजाबियों ने किसान आंदोलन के समर्थन में अपना-अपना योगदान भी दिया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने इस घोषणा के लिये सिखों के पवित्र दिन गुरु पर्व को चुना। इस दिन को चुनने का मकसद जहां पंजाब के किसानों की जीवटता का सम्मान करना था, वहीं यह भी शायद कि गुरु पर्व पर क्षमा का लाभ केंद्र के साथ उपजी कटुता में मिल जाये। बहरहाल, यह तय था कि केंद्र को ये कानून वापस लेने पड़ेंगे। विपक्ष ही नहीं, भाजपा के भीतर से भी कुछ ऐसी आवाजें आ रही थीं। खासकर मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक कई बार कह चुके थे कि सरकार को ही मानना पड़ेगा, किसान नहीं मानेंगे। किसान पृष्ठभूमि से आने वाले मलिक शायद पश्चिम उत्तर प्रदेश की किसान राजनीति का भविष्य पढ़कर यह कह रहे हों। सवाल केंद्र की वापसी की घोषणा के समय को लेकर भी उठे हैं। निस्संदेह पांच राज्यों के अगले साल होने वाले चुनाव तो इस फैसले की पृष्ठभूमि में हैं ही, इस माह के अंत में होने वाला संसद का शीतकालीन सत्र भी इसकी वजह हो सकता है क्योंकि दिल्ली की दहलीज पर चल रहे आंदोलन के एक वर्ष पूरा होने पर किसान आंदोलन तेज होने की आशंका बनी हुई थी, जिसका राजनीतिक दल भरपूर लाभ उठाने की तैयारी में थे। फिर भाजपा उ.प्र. को लेकर कोई जोखिम नहीं उठा सकती थी। पंजाब में उसके लिये खोने के लिये ज्यादा नहीं था, लेकिन सबको पता है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। पश्चिमी उ.प्र. की कमान भाजपा के चाणक्य अमित शाह को सौंपना इसी कड़ी का हिस्सा है। दरअसल, दूसरी व तीसरे नंबर की सबसे अधिक संसदीय सीटों वाले राज्य पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र में सत्ता से छिटकने के बाद भाजपा की सारी उम्मीदें उत्तर प्रदेश पर केंद्रित हैं। दूसरा, पंजाब हमेशा से भाजपा की प्राथमिकताओं में रहा है। यही वजह है कि पंजाब में अकाली दल भाजपा का सबसे पुराना साझीदार रहा है। सीमावर्ती राज्य की चुनौती को देखते हुए लालकृष्ण आडवाणी व प्रकाश सिंह बादल इस राज्य में नये राजनीतिक समीकरण बनाने को तैयार हुए थे। भाजपा नहीं चाहती थी कि किसान आंदोलन से उपजे आक्रोश के बीच फिर इस सीमावर्ती राज्य में अलगाववादी तत्वों को पनपने का मौका मिले। उनकी सक्रियता की खबरें विधानसभा चुनाव में बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी।

तीनों कृषि कानून वापस

क्या चुनाव जीतने के लिए मजबूरी में लिया फैसला ?

मिट गया जब मिटने वाला, फिर सलाम आया तो क्या
दिल की बरबादी के बाद उनका पयाम आया तो क्या

सरकार का सलाम किसानों तक पहुंचा, लेकिन अब काफी देर हो चुकी है। इस गांधीवादी आंदोलन से जितनी किरकिरी उसकी होनी थी, वह हो चुकी है। अब उत्तर प्रदेश तथा चार अन्य प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिए इस फ़ैसले का लाभ मिलेगा, इसमें संदेह है। फिर प्रधानमंत्री विवादास्पद कृषि ?ानूनों को वापस लेने का ऐलान करने पर क्यों मजबूर हो गए? महात्मा गाँधी के देश में साल भर से चल रहे इस शांतिपूर्ण आंदोलन पर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं।सरकार की किरकिरी हो रही थी। भले ही किसानों ने आंदोलन का स्वरूप गैर राजनीतिक रखा हो, लेकिन यह हकीकत है कि इसे विपक्षी दलों, समाज के तमाम वर्गों, कारोबारियों, ब्यूरोक्रेसी और भारतीय जनता पार्टी की अनेक उपधाराओं का समर्थन हासिल था।

राष्ट्रपति के संवैधानिक प्रतिनिधि राज्यपाल सतपाल मलिक तो खुल्लम खुल्ला किसान आंदोलन को समर्थन दे चुके थे। इसे राष्ट्रपति भवन का मूक समर्थन भी मान लिया गया था। यदि राष्ट्रपति अपने राज्यपाल से सहमत नहीं होते तो अब तक उन्हें हटा चुके होते या उनसे इस्तीफा ले चुके होते। चूंकि राष्ट्रपति बजट सत्र की शुरुआत अपनी सरकार की उपलब्धियों से ही करते हैं और संविधान भी केंद्र सरकार को राष्ट्रपति की सरकार मानता है। ऐसे में बहस यह भी छिड गई थी कि क्या राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री कार्यालय के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है?

फैसले ने उपजा दिए हैं कई सवाल

सवाल यह है कि सत्याग्रही किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, देशद्रोही, विदेशी पैसे पर चलने वाला बताने के बाद केंद्र सरकार को यू टर्न क्यों लेना पडा? आजादी के बाद पहली बार किसी और कांग्रेसी पार्टी ने अपनी दम पर बहुमत हासिल किया था और इसी ठसक तथा दबंगी के साथ राज कर रही पहली और कांग्रेसी पार्टी ने घुटने क्यों टेके? इन प्रश्नों का उत्तर किसी ताले में बंद नहीं है।यही छिपा हुआ नहीं है कि महाराष्ट्र और बंगाल के विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी अपने बेहद कठिन दौर से गुजर रही है। दक्षिण में उसका वजूद असरदार नहीं है। पूरब और पश्चिम में वह पटखनी खा चुकी है।अब उसके कामकाज का लिटमस टेस्ट उत्तर में होने वाला है।उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। योगी सरकार का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है।लखीमपुर खीरी हादसे ने लोगों को हिला दिया है। उसमें एक केंद्रीय मंत्री और उनके बेटे की भूमिका ने उन्हें खलनायक बना दिया है। मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच टकराव रंजिश की श?ल ले चुका है।इसके अलावा पंजाब में भी भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किल घडी है।वहां दशकों पुराना उसका सहयोगी अकाली दल छिटक गया है।अब कांग्रेस से किनारा कर चुके पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह बीजेपी के लिए कुछ सहारा बन सकते हैं, लेकिन वे तभी समर्थन देने या लेने को तैयार थे, जबकि केंद्र सरकार कृषि कानून वापस लेती।

इसी कडी में उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी अंतर्कलह थमने का नाम नहीं ले रही है।ऊपर से केंद्र सरकार की नाकामियों के प्रेत भी मंडरा रहे हैं। किसान आंदोलन चुनाव वाले प्रदेशों में एक गंभीर मुद्दा बनकर उभरा है। इस आंदोलन के चलते भारतीय जनता पार्टी के पास मतदाता के सामने जाने का कोई नैतिक आत्मबल नहीं बचा था।

उत्तर प्रदेश का चुनाव है केंद्र

अन्य प्रदेशों में तो एक बार पार्टी सारा जोर लगाकर चुनाव मैदान में कूद सकती थी लेकिन उत्तर प्रदेश का मामला अलग है। इस राज्य से राष्ट्रपति चुने गए हैं, प्रधानमंत्री चुने गए हैं, रक्षामंत्री निर्वाचित हैं, और भी कई केंद्रीय मंत्री इस प्रदेश से हैं, पार्टी का सबसे बडा हिन्दू चेहरा मुख्यमंत्री के रूप में उनके साथ है, राहुल गाँधी को कांग्रेस के गढ में हराने वाली स्मृति ईरानी जैसी फायर ब्रांड नेत्री इसी राज्य से हैं और आधा गांधी खानदान बीजेपी के साथ है (यह बात अलग है कि वरुण गांधी और मेनका गांधी इन दिनों अपने दल से प्रसन्न नहीं हैं)।

इसके अलावा प्रदेश की बडी समस्याओं से निपटने में सरकार विफल रही है।हाल ही में कांग्रेस पार्टी की नेत्री प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की रैलियों में जिस तरह लोग उमडे हैं ,उसने यकीनन भारतीय जनता पार्टी की नींद उडा दी होगी। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अपना हारना पचा नहीं पाएगी। यह उसके अपने राजनीतिक भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आनन-फानन के फैसले

तीनों कृषि कानून जिस ढंग से संसद में पास कराए गए थे ,उसे पूरे देश ने देखा था।इससे केंद्र सरकार की बदनामी ही हुई थी। जानकार लोग हैरान थे कि जब बीजेपी केंद्र सरकार अपने दम पर चला रही है तो किसी भी कानून को पास कराने में लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की उपेक्षा क्यों की गई? पार्टी पर बडे पूंजीपतियों के हित संरक्षण का आरोप लगा और हिन्दुस्तान ने अब तक का सबसे लंबा अहिंसक आंदोलन देख लिया। इन पूंजीपतियों को तो बाद में भी फायदा पहुंचाया जा सकता है, लेकिन एक बार उत्तर प्रदेश का जिला अगर भारतीय जनता पार्टी ने हाथ से निकल जाने दिया तो फिर यह तथ्य स्थापित हो जाएगा कि नरेंद्र मोदी का तिलिस्म अब टूटने लगा है।

निश्चित रूप से संसार का सबसे बडा यह दल नहीं चाहेगा कि ऐसी स्थिति निर्मित हो।इसीलिए बिना कैबिनेट की बैठक बुलाए या दिग्गजों को भरोसे में लिए प्रधानमंत्री ने कृषि कानून वापस लेने की घोषणा कर दी। देर आयद दुरुस्त आयद की कहावत कितनी काम आती है - यह देखना है।

राजेश बादल

एफडीआई की तेज आवक बदलेगी भारत की तस्वीर

इकबाल का एक शेर है कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी. सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़माँ हमारा। कोरोना जैसी भीषण वैशिवक महामारी से जूझते हुए भारत को लेकर दुनिया भर के निवेशकों का रुख सकारात्मक बना हुआ है। उन्हें भारत में अपना पैसा निवेश करने पर बेहतर रिटर्न की उम्मीद बंधी रहती है। यह गवाही है कि हमारी अर्थव्यवस्था चट्टान की तरह मजबूत हो चुकी है। अगर यह बात सच न होती तो अप्रैल से दिसंबर, 2020 के दौरान, 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआई) देश में ना आया होता। यह किसी वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में आया सबसे अधिक एफडीआई है। वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 9 महीनों के दौरान, एफडीआई में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। बहुत ज्यादा आंकड़ों के सहारे बात नहीं करेंगे। दरअसल भारत में एफडीआई सरकार की नीतियों और कुछ सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन करने के कारण आ रहा है। यह बात निर्विवाद है। पहले जान लेते हैं कि एफडीआइ क्या है? इसका मतलब क्या होता हैं? भारत की अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश कैसे लाभ पहुंचाता है? दर असल किसी विदेशी व्यक्ति या कंपनी द्वारा किसी भारतीय कंपनी में लगने वाले पैसे को विदेशी निवेश कहा जाता है। विदेशी निवेशक उस कंपनी के शेयर या बांड खरीद सकता है या अपना कोई उद्योग लगा सकता है। याद रखें कि विदेशी निवेशक अपने पैसे को स्वदेश वापस ले जाने के लिए आजाद है। मतलब किसी भी दूसरे देश की परियोजना या कंपनी में किया जाने वाला निवेश एफडीआई है। यह सीधा निवेश होता है और लंबी अवधि के लिए होता है। भारत के चौतरफा विकास में एफडीआई का अहम रोल रहता है। इसके आने से देश का चौतरफा विकास होता है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है। यह भी जान लें कि एफडीआई 'ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड' होती है। अगर कोई विदेशी कंपनी भारत में निवेश कर अपना नया उद्योग लगाती है तो उसे 'ग्रीनफील्ड' एफडीआई कहते हैं, लेकिन जब विदेशी कंपनी भारत में पहले से ही चल रहे कारखाने या ब्रांड में हिस्सेदारी खरीदकर या अधिग्रहण कर उसके मैनेजमेंट पर अपना नियंत्रण हासिल कर लेती है तो उसे 'ब्राउनफील्ड' एफडीआई कहा जाता है। दरअसल सरकार का प्रयास रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति लागू करे। अगर बात साल 2014 से करें तो इस दिशा में उठाए गए कदमों का परिणाम है कि देश में एफडीआई प्रवाह लगातार, रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ता जा रहा है। भारत में सबसे अधिक एफडीई आ रही है इंफोरमेशन टेक्नालॉजी (आईटी) सेक्टर में। सबको पता है कि इस सेक्टर ने भारत की किस्मत बदल दी है। देश के करोड़ों नौजवान आईटी सेक्टर से किसी ना किसी रूप में जुड़े हुए हैं। ये सब बेहतर सैलरी लेकर अपने परिवारों का जीवन भी सुधार रहे हैं। भारत चाहे तो कपड़ा, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रानिक, फार्मा, आटो वगैरह सेक्टरों में मोटा एफडीआई आकर्षित कर सकता है। इस तरफ गौर करना होगा। हाथ पर हाथ धर करके नहीं बैठा सकता। सरकार को पता है कि बिना मोटा एफडीआई देश का कल्याण नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार अनेक कदम उठाती रही है। भारत में जिस गति से एफडीआई आ रही है, उससे साफ है कि वैश्विक निवेशकों के बीच भारत एक पसंदीदा निवेश की जगह के तौर पर स्थापित हो चुका है। यह बात संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से सामने आई है। हमें अब कोशिश करनी होगी कि हम दुनिया के पहले उन तीन देशों में आ जाएं जिन्हें सबसे ज्यादा एफडीआई मिलती है। अभी हमारा स्थान पांचवां है। हमें पहले तीसरे स्थान पर और फिर पहले स्थान के लिए कोशिश करनी होगी। कोशिश करेंगे तो बात बन भी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि देश में कोविड की दूसरी लहर के बावजूद भारत में एफडीआई की आवक साबित करती है कि निवेशक हमें पसंद करने लगे हैं।अब यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किस राज्य में सबसे अधिक एफडीआई पहुंची है। इस लिहाज से कर्नाटक सबसे आगे है। वित्त वर्ष 2021-22 (जुलाई, 2021 तक) के दौरान कुल एफडीआई 45 प्रतिशत हिस्से के साथ कर्नाटक में सबसे ज्यादा आया। इसके बाद महाराष्ट्र (23 प्रतिशत) और दिल्ली (12 प्रतिशत) का स्थान रहा है। कर्नाटक और महाराष्ट्र भारत की अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं। कर्नाटक तो भारत की आईटी राजधानी है।उसका एफडीआई हासिल करने में पहला स्थान हासिल करना हैरान नहीं करता। वहां पर ही हैं देश की चोटी की आईटी कंपनियां। यह सब जानते हैं। बेशक महाराष्ट्र आजादी के बाद से ही देश का सबसे प्रमुख औद्योगिक राज्य रहा है।

आर.के. सिन्हा

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आपका राशिफल 21 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5654

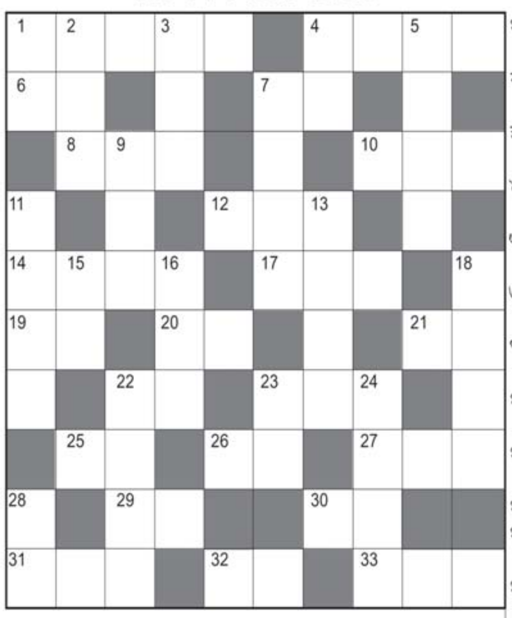

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अम्रित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरुद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5653

Jagrutidaur.com, Bangalore

गाजर और मूंग का हलवा भूल जाएंगे एक बार ट्राई तो करें अमरूद का हलवा

सर्दियां शुरू होते ही गर्मा-गर्म हलवा खाने की फरमाइश हर घर में शुरू हो जाती है। गाजर, सूजी, आटा, मूंग दाल या फिर बेसन जैसे हलवे का स्वाद तो आपने कई चखा होगा लेकिन क्या आपने कभी अमरूद का हलवा खाया है। अमरूद का हलवा पढ़कर आपको थोड़ा अटपटा जरूर लग सकता है लेकिन एक बार इस हलवे का स्वाद चखने के बाद ये आपके फेवरेट डेजर्ट लिस्ट में शामिल होने वाला है। तो आइए देर किस बात की जानते हैं कैसे बनाया जाता है अमरूद का टेस्टी हलवा।

अमरूद का हलवा बनाने के लिए सामग्री-

-अमरूद- 4
-चीनी- 1 कप
-इलायची- एक चौथाई छोटी चम्मच
-चुकंदर- एक इंच का टुकड़ा
-घी- एक चौथाई कप
-काजू- 2-3 टेबल स्पून (बारीक कटे हुए)
-बादाम- 2-3 टेबल स्पून (बारीक कटे हुए)
-दूध- आधा लीटर

अमरूद का हलवा बनाने का तरीका-

अमरूद का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले घर पर मावा तैयार कर लें। इसके लिए पैन में दूध उबलने के लिए रखें। दूध उबालते समय उसे बीच-बीच में लगभग 40 मिनट तक चलाते रहे। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसे गैस से उतार ले। आपका हलवे के लिए मावा बनकर तैयार हो गया है। इसके बाद अमरूद और चुकंदर को बड़े-बड़े टुकड़ों में काटकर कुकर में आधा कप पानी के साथ एक सीटी आने तक इंतजार करें। सीटी आते ही गैस बंद कर दें। ठंडा होने पर कुकर से अमरूद को निकालकर मिक्सी में पीसकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को छननी की मदद से छानकर अमरूद के बीज अलग निकालकर फेंक दें।

अब गैस पर कढाई रखकर उसमें 3 बडे चम्मच घी डालकर इसमें कतरे हुए ड्राई फरूट्स (काजू और बादाम) डालकर हल्का भून लें। जब यह भून जाएं तो इसमें अमरूद का गूदा डालकर 4 से 5 मिनट के लिए हल्की आंच पर चलाते हुए पकाएं। अब इसमें चीनी डालकर अच्छे से पकाएं। जब चीनी अच्छी तरह से घुल जाए तो इसमें खोया (मावा) तो?कर डालते हुए एक बार फिर अच्छे से चलाते हुए पकाएं। 5 मिनट तक इसे पकाने के बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर हलवे को 2 से 3 मिनट के लिए अच्छे से पका लें। आपका टेस्टी अमरूद का हलवा बनकर तैयार है। इस हलवे की खासियत यह है कि आप इसे हफ्ते भर तक स्टोर करके भी रख सकते हैं।

सूडोकू नवताल- 6174

✶✶✶✶✶ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -6140 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

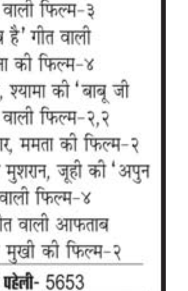

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7220

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7219 का हल

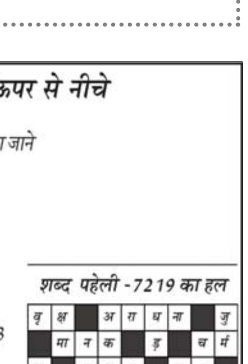

Jagrutidaur.com, Bangalore

डेढ़ हजार मेगावाट के सौर ऊर्जा पार्कों का शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

25 नवंबर को शाजापुर में होगा कार्यक्रम

भोपाल । प्रदेश में जल्द ही डेढ़ मेगावाट के सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। इसके लिए आगर, शाजापुर और नीमच में परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 25 नवंबर को करेंगे। इस दौरान तीन सौर ऊर्जा पार्क और कुसुम योजना में चयनिम किसानों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा साक्षरता अभियान का शुभारंभ भी होगा। मुख्यमंत्री श्री 25 नवम्बर को 1500 मेगावाट के आगर, शाजापुर, नीमच सोलर पार्क का शिलान्यास करेंगे। निवास पर हुई बैठक को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि विश्व के पर्यावरण संरक्षण में भारत अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। प्रदेश में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। डेढ़ हजार मेगावाट की परियोजना तीन जिलों में प्रारंभ होंगी। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन डाईआक्साइड

उत्सर्जन में कमी लाने में सौर ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। आगर, शाजापुर और नीमच सौर ऊर्जा पार्क से राज्य को सस्ती ग्रीन ऊर्जा मिलेगी। रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। परियोजना से लगभग 50 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन से बचाव संभावित है, जो 25 साल में पांच करोड़ पेड़ से निकलने वाली कार्बन डाईआक्साइड के बराबर है। कुसुम योजना में मार्च 2023 तक एक हजार 50 कृषि फीडर पर दो लाख 10 हजार पंप सौर ऊर्जा से चलेंगे। इससे किसानों को अधिक समय के लिए बिजली की आपूर्ति हो सकेगी।

भोपाल । राजधानी में विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किए जाने के बाद अब जल्द ही भोपाल रेलवे स्टेशन पर भी रेल यात्रियों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे ने इस दिशा में काम तेज कर दिया है। रेलवे बीते तीन वर्षों से भोपाल स्टेशन को पुनर्विकसित करने का काम कर रहा है जो कोरोना संक्रमण काल में प्रभावित हुआ था। इस बीच काम पिछड़ने के पीछे बजट की कमी भी एक प्रमुख कारण रही है। अब रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का काम पूर्ण होने के बाद

अब भोपाल रेलवे स्टेशन को विकसित करने के कामों में आएगी तेजी

रेलवे ने भोपाल रेलवे स्टेशन के विकास पर पूरा फोकस किया है। प्लेटफार्म-छह की तरफ मुख्य भवन बनकर तैयार है। इसका शुभारंभ भी कर दिया है। इसमें टिकट काउंटर संचालित हो रहे हैं। बाकी का पूरा भवन खाली है। इसमें बजट होटल, रेस्टोरेंट, स्टाल, किड्स जोन की सुविधा दी जानी है। प्लेटफार्म-एक की तरफ भी मुख्य भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण के तहत एक भवन बना दिया है। अब इसका विस्तार किया जाना है।इस ओर पांच लेन वाली ड्राप एंड गो लेन बनाई जानी है। बाकी के दो चरणों के तहत बनाए जाने वाले भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद ड्राप एंड गो लेन को पूरा किया जाएगा।नए फुट ओवरब्रिज को प्लेटफार्म-एक व छह की तरफ मुख्य भवनों से जोड़ा जाएगा, ताकि यात्री सीधे इन भवनों तक पहुंच सकें। ब्रिज तो पूर्व से चालू है लेकिन दोनों ही भवनों को अभी तक ब्रिज से नहीं जोड़ा है। स्टेशन परिसर में जो लिफ्ट लगाईं हैं, उनका नियमित संचालन किया जाएगा।

भोपाल इसलिए बड़ा स्टेशन

132 ट्रेनें उक्त स्टेशन से चौबीस घंटे में ठहराव लेकर चलती हैं। औसतन 25 हजार यात्री सामान्य दिनों में इन ट्रेनों से स्टेशनों पर चढ़ते-उतरते हैं। औसतन 50 हजार यात्री त्योहार व अवकाश के दिनों में स्टेशन से होकर गुजरते हैं। 06 प्?लेटफार्म है भोपाल स्टेशन पर, रानी कमलापति स्टेशन पर पांच प्लेटफार्म ही है।

भाजपा अपने विधायकों से पूछेगी सरकार की योजनाओं की मैदानी हकीकत

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी अपने विधायकों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की योजनाओं की मैदानी हकीकत के बारे में जानकारी लेगी। इसके लिए प्रदेश के सभी विधायकों को भोपाल बुलाया गया है। 24 और 25 नवंबर को संभागवार बैठकें होंगी। इसमें राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश के प्रभारी मुरलीधर राव, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा मौजूद रहेंगे। इसके बाद 26 नवंबर को प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक होगी। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनहित में लगातार काम कर रही है। कई अभिनव योजनाएं लागू की गई हैं। इनका लाभ जनता को सही तरीके से मिल रहा है या नहीं। हितग्राहियों में संतोष का भाव है या नहीं। वे सरकार के कामकाज को किस तरह देखते हैं और उनकी क्या अपेक्षाएं हैं। इन सभी विषयों को लेकर पार्टी विधायकों से मैदानी जानकारी लेगी। इसमें जो बातें सामने आएंगी, उसके आधार पर आगामी कार्ययोजना तैयार की जाएगी। समीक्षा एक दिन में दो या अधिक संभागों की होगी। साथ ही पार्टी के प्रकोष्ठों को अधिक सक्रिय भी किया जाएगा ताकि आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके और कोई भ्रांति न रहे।

26 नवंबर को होगी कार्यसमिति की बैठक

दो साल बाद प्रदेश भाजपा की कार्यसमिति की बैठक सभी की प्रत्यक्ष मौजूदगी में होगी। इसके पहले राजगढ़ और उज्जैन में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई थी। कोरोना संकट की वजह से अभी तक प्रदेश कार्यसमिति वर्चुअल हो रही थी। बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। कार्यसमिति की बैठक में चार सत्र होंगे।

भानपुर खंती और आदमपुर छावनी दिलाएगी बढ़त

भोपाल । स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 के नतीजे आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में घोषित किए जाएंगे। इस बार भोपाल को टाप- पांच स्वच्छ शहर में शामिल होने का तमगा मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योकि स्वच्छता रैंकिंग में हर बार भानपुर खंती के कारण भोपाल के नंबर कटते थे। इस बार भानपुर खंती को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। खंती के पास आ रही दुर्गंध में खत्म हो गई है और अब यहां 16 एकड़ पर पार्क विकसित कर दिया गया है। वहीं पूरे क्षेत्र को खूबसूरत टीलें में बदल दिया गया है। वहीं 21 एकड़ जमीन खाली कर यहां हाउसिंग फार आल के प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे। इधर, आदमपुर छावनी लैंडफिल साइट में भी लाखों मीट्रिक टन डंप कचरे के पहाड़ को खत्म कर दिया गया है। इस तरह भानपुर खंती और आदमपुर छावनी इस बार स्वच्छता रैंकिंग में बढ़त दिलाएगा। इसके अलावा गार्वेज फ्री सिटी (जीएफसी) के तहत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और कचरा सेग्रीगेशन में हर साल के मुकाबले इस बार अधिक बेहतर तरीके से कार्य किया गया है। निगम का पूरा फोकस कचरा कलेक्शन और सेग्रीगेशन में रहा है।

नालों की सफाई कर खेला क्रिकेट और बैडमिंटन

साफ-सफाई मामले में नगर निगम भोपाल नवाचारों के लिए जाना जाता है। ऐसे में स्वच्छता सर्वे 2021 के तहत नगर निगम ने शहर के 42 नालों की सफाई के बाद कुछ नालों पर बैडमिंटन व बॉलीबॉल खेलने की शुरुआत की। साथ ही आदमपुर छावनी की पांच एकड़ लैंडफिल साइट का समतलीकरण करने के बाद यहां क्रिकेट मैच खेला गया। इन दोनों नवाचारों ने खूब वाहवाही लूटी।

अभी साफ शहरों के मामले में सातवे पायदान पर था भोपाल

स्वच्छ सर्वे 2020 में भोपाल देश के सबसे साफ शहरों की लिस्ट में सातवें पायदान पर था। उसे सेल्फ सस्टेनेबल केपिटल का अवार्ड भी मिला था, लेकिन उससे देश की क्लीनेस्ट कैपिटल का तमगा छिन गया था। ऐसे में स्वच्छ सर्वे 2021 में अपनी पुरानी खोई रैंकिंग वापस पाने के लिए निगम ने अच्छी खासी मशक्कत की है। सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में मिलेंगे 12 करोड़ गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण के सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज के तहत पहले, दूसरे और तीसरे पायदान पर रहने वाले नगर निगमों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 12, द्वितीय पुरस्कार 6 और तृतीय पुरस्कार 3 करोड़ रुपए का दिया जाएगा। इसकी घोषणा भी स्वच्छता सर्वेक्षण परिणामों के दौरान की जाएगी।

भोपाल के उपभोक्ता खरीद सकेंगे सांची पार्लरों से बकरी का दूध

भोपाल। राजधानी भोपाल के उपभोक्ता 26 नवंबर से सहकारी दुग्?ध उत्पाद के रूप में बकरी का दूध भी खरीद सकेंगे। यह दूध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के सांची पार्लरों से मिलेगा। पशुपालन विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। भोपाल दुग्ध संघ को बकरी का दूध बेचने के निर्देश दिए हैं। दुग्ध संघ के संयंत्र में बकरी के दूध की प्रोसेसिंग करने, उसे पैक करने की तैयारियां की जा रही हैं। यह दूध किसानों से 60 से 70 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से खरीदा जाएगा। दुग्ध संघ 200 एमएल की पैकिंग में दूध बेचेगा। फिलहाल उपभोक्ताओं को बेचे जाने वाले बकरी के दूध के दाम तय नहीं किए गए हैं। सोमवार तक दाम तय कर दिए जाएंगे। बता दें कि सरकार सभी वर्गों की आय सुनिश्चित करने के लिए बकरी पालकों पर भी ध्यान दे रही है। बकरी का दूध पौष्टिक होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्?व होते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी हैं। रोगियों को भी बकरी का दूध पिलाना विशेष लाभकारी है। सरकार ने इन गुणों को देखते हुए बकरी का दूध विक्रय करने का निर्णय लिया है। पूर्व में इंदौर व जबलपुर दुग्ध संघ इसकी बिक्री भी शुरू कर चुका है। राजधानी भोपाल में अभी तक बिक्री शुरू नहीं हुई थी। शुरुआत में यह दूध सांची के चुनिंदा पार्लरों में ही मिलेगा। बाद में इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। इस संबंध में तैयारियां की जा रही हैं। बता दें कि भोपाल शहर में 700 से अधिक पार्लर हैं।भोपाल सहकारी दुग्ध संघ से जुड़ी 2499 सहकारी समितियों में अभी गाय और भैंस का दूध खरीदा जाता है। इन समितियों में रोजाना 3.40 लाख लीटर दूध की आवक होती है। यह दावा दुग्ध संघ द्वारा किया जा रहा है। अब इन्हीं समितियों में बकरी का दूध खरीदा जाना है। इसके लिए समितियों में अलग से बकरी का दूध खरीदने, उसे रखने और उसका परिवहन करने के इंतजाम किए जाएंगे।

सोयाबीन तेल में बढ़त जारी मूंगफली तेल में मंदी

इंदौर। तेल और तिलहन की तेजी के बीच बाजार अब कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने का असर भांपने में जुट गया है। बीते डेढ़ साल से सोयाबीन, सरसों और तेल में जोरदार तेजी चल रही है। तमाम लोग इसे नए कानूनों से जोड़कर भी देख रहे थे। माना जा रहा था कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के वादे और कानूनों के फायदे बताने के लिए तेजी पर अंकुश लगाने की कोशिश भी नहीं करते हुए तेजी के साथ खड़ी नजर आ रही थी। नतीजा दोनों प्रमुख तिलहनों सोयाबीन और सरसों ने अब तक का सबसे ऊंचा स्तर इसी समय देखा। इस साल भी सोयाबीन की तेजी जारी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने कृषि कानून वापस लेने की घोषणा कर दी। कई जानकार आशंका जता रहे हैं कि आगे जाकर सोयाबीन में गिरावट देखी जा सकती है। तर्क दिया जा रहा है कि गिरावट को कानून वापसी से जोड़कर देखा जाएगा। एनसीडीईएक्स में शुक्रवार को गुरुनानक जयंती की छुट्टी के कारण यूं भी पहले सत्र में कारोबार

नहीं हुआ ऐसे में सट्टेबाजों और बाजार का मूड भांपा नहीं जा सका। दूसरी ओर अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम तेल की सप्लाई टाइट है। चीन और मलेशिया के बाजार में तेलों में अच्छी तेजी देखी जा रही है। इससे खाद्य तेलों की मजबूती को सपोर्ट मिल रहा है। मूंगफली तेल के दाम ऊंचे होने के कारण इसकी मांग काफी कमजोर है। वहीं गुजरात में मूंगफली तेल के प्लांट अपनी पूरी क्षमता से चलने के कारण तेल की उपलब्धता बढ़ती जा रही है। इसके चलते इंदौर में गुजरात तरफ से मूंगफली तेल की आवक बढ़ने के कारण भाव में मंदी रही। मूंगफली तेल इंदौर 10 रुपये घटकर 1370-1390 रुपये प्रति 10 किलो रह गया। गुरुनानक जयंती के अवसर पर मंडियों में सोयाबीन की आवक में कुछ कमी देखने को मिली है। सोयाबीन में स्टाकिस्ट की अच्छी मांग के चलते भाव मजबूती पर टिके हुए हैं। मंडियों में सोयाबीन के दाम 6050-6100 और प्लांट खरीदी भाव 6100-6200 रुपये प्रति क्विंटल तक बोले जाने लगे हैं। हालांकि स्टाक लिमिट के डर से अधिक स्टाक करने से बच रहे हैं। सोया तेल में विदेशी असर और वैवाहिक सीजन की डिमांड अच्छी रहने से भाव में सुधार जारी रहा। शुक्रवार को सोया तेल इंदौर सुधरकर 1255-1260 रुपये प्रति 10 किलो पर पहुंच गया। एमपी और महाराष्ट्र के प्लांटों ने भाव 5 रुपये प्रति 10 किलो बढ़ाए। कपास्या खली में तेजी रही। लूज तेल (प्रति 10 किलो) =इंदौर मूंगफली तेल 1370-1390, मुंबई मूंगफली तेल 1370, इंदौर सोयाबीन रिफाइंड 1255-1260 , इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1195 से 1200, मुंबई सोया रिफाइंड 1248, मुंबई पाम तेल 1202, इंदौर पाम 1275 से 1278, राजकोट तेलिया 2125, गुजरात लूज 1350, कपास्या तेल इंदौर 1215 रुपये।

तिलहन सरसों बेस्ट 7500-7600 सोयाबीन 5800-6000, रायड़ा 7100 से 7200 रुपये क्विंटल।

सोयाबीन डीओसी स्पाट 48000 से 49000 रुपये टन।

प्लांटों के सोयाबीन भाव- महाकाली 6100, कृति 6100, प्रेस्टीज 6150, कास्ता 6100, लक्ष्मी 6121, इटारसी 6050, सांवरिया 6000, रुचि 6075, धानुका 6160, नीमच 6200, प्रकाश 6050, पचोर 6200, शांति 6200 व सिवनी 6100 रुपये। कपास्या खली (60 किलो भरती) बिना टैक्स भाव- इंदौर 1700, देवास 1700, उज्जैन 1700, खंडवा 1675, बुरहानपुर 1675, अकोला 2570 रुपये।

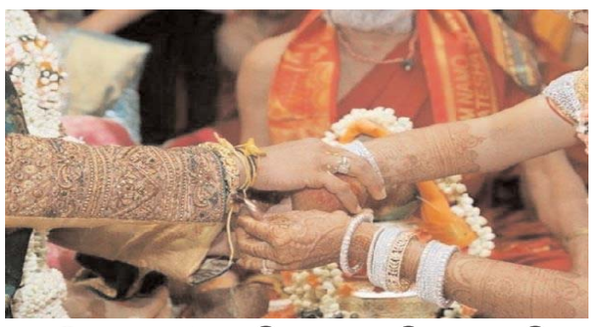

महिला ने की दूसरी शादी, पति बोला आपत्ति नहीं

भिंड। महिला ने पहले पति से तलाक लिए बिना दूसरी शादी कर ली। इसके साथ ही वह पहले पति से भरण पोषण के तौर पर 35 सौ रुपए महीने लेती रही। पहले पति को जब पत्नी की दूसरी शादी की बात मालूम हुई तो वह महिला थाने पहूंचा। डीएसपी पूनम थापा को कार्रवाई के लिए आवेदन दिया। पुलिस ने जांच की तो मामला सही पाया। अब महिला पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हो सकता है, लेकिन पहले पति ने दरियादिली दिखाते हुए पुलिस से कहा कि उसे पत्नी की दूसरी शादी से आपत्ति नहीं है, वह सिर्फ भरण पोषण का केस वापस ले ले। यहां बता दें, मेहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कौंहार निवासी धर्मेंद्र पुत्र रामदास जाटव की शादी 4 मार्च 2017 को भिंड निवासी राखी से हुई थी। शादी के बाद राखी करीब एक वर्ष ससुराल में रही। धर्मेंद्र दिल्ली में नौकरी करता है तो राखी कुछ समय दिल्ली भी रही। वापस आकर मायके गई तो फिर ससुराल नहीं लौटी। बाद में राखी ने कोर्ट में पति के खिलाफ भरण पोषण का केस दायर किया। कोर्ट के आदेश पर धर्मेंद्र हर महीने राखी को 3500 रुपए भरण पोषण के देने लगा। करीब एक वर्ष पूर्व राखी ने 28 दिसंबर 2020 को राय सिंह जाटव निवासी सौंधा से न्यायालय के माध्यम से दूसरी शादी कर ली। इस दौरान पहले पति से तलाक नहीं ली।

पहले पति ने ही कार्रवाई से इनकार किया है। उन्होंने आपसी सहमति से मामला हल करने की बात कही है। पहले पति का कहना है कि पत्नी को जिसके साथ रहना है, रहे। अब भरण पोषण का केस वापस ले ले।

पूनम थापा, डीएसपी, महिला अपराध भिंड

बाघों की गणना में बड़ी चुनौती

भोपाल। देश में पांचवीं बाघ गणना शुरू हो गई है। इस बीच मध्य प्रदेश की चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कर्नाटक के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा में मध्य प्रदेश में बाघों की मौत के मामलों ने यह चुनौती और भी बढ़ा दी है। देश में एक जनवरी से 19 नवंबर 2021 तक 112 बाघों की मौत हो चुकी है। इसमें से अकेले मध्य प्रदेश में 34 प्रतिशत (38) बाघों की हुई है। यह पिछले पांच सालों में बाघों की मौत का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह स्थिति तब है, जब कर्नाटक की तुलना में मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 की गणना में सिर्फ दो बाघ ज्यादा निकले हैं। कर्नाटक में 524 और मध्य प्रदेश में 526 बाघ गिने गए थे। वहीं, बाघों की मौत के मामले में देश में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है। वहां इस अवधि में 21 तो कर्नाटक में 15 बाघों की मौत हुई है।टाइगर स्टेट का तमगा बचाने और बाघ गणना 2022 में प्रतिद्वंदी राज्यों को कड़ी टक्कर देने का दावा कर रहे मध्य प्रदेश की धरातल पर स्थिति खराब है। यहां बाघों की मौत रुक नहीं रही है। यहां नवंबर माह के 19 दिनों में चार बाघों की मौत हो चुकी है। अगस्त माह में पांच बाघों की मौत हुई है।मई माह तो बाघों के लिए सबसे बुरा समय साबित हुआ है। इस माह सबसे ज्यादा सात बाघों की मौत दर्ज हुई है। इससे टाइगर स्टेट का तमगा बरकरार रखने की संभावनाओं पर धुंध छा गई है। इसके बाद भी वन विभाग से एक ही जबाव मिलता है कि मौत का आंकड़ा सामान्य है। ज्यादा बाघ हैं। इसलिए ज्यादा मौत भी हो रही है।

29 नवंबर से छमाही परीक्षा होगी शुरू

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नौवीं से बारहवीं तक की छमाही परीक्षाएं 29 नवंबर से आफलाइन मोड में होंगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने निर्देश जारी कर दिए हैं। कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं की परीक्षा का समय प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी। वहीं दसवीं व बारहवीं की परीक्षा का समय दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक रखा गया है। छमाही परीक्षा के प्रश्नपत्र कक्षावार, विषयवार और तिथिवार सील्ड लिफाफों में संस्था प्राचार्यों को उपलब्ध कराएं जाएंगे। डीपीआई ने सभी जिले के डीईओ को विमर्श लागइन में प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं। जहां नौवीं की परीक्षा 29 नवंबर को गणित के पेपर से शुरू होगा, जो 8 दिसंबर तक चलेगा। दसवीं का पहला पेपर अंग्रेजी का होगा। ग्यारहवीं का पहला पेपर संस्कृत, उर्दू व मराठी का होगा। वहीं बारहवीं क पहला पेपर बायोटेक्नोलाजी, वोकेशनल कोर्सेस की परीक्षा होगी। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने बताया कि इसके लिए स्कूलों में तैयारी शुरू कर दी गई है। हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य चाहे तो 100 फीसद विद्यार्थियों को बुला सकते हैं। उन्होंने बताया कि 100 फीसद उपस्थिति को लेकर पहले से ही स्पष्ट गाइडलाइन जारी कर दिया गया है। हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य चाहे तो स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर और परिस्थितियों के हिसाब से 100 फीसद विद्यार्थियों को बुला सकते हैं।

रालामंडल में पर्यटक फिर गोल्फ कार से निहार सकेंगे हिरण-चीतल को, रविवार से शुरू होगी डियर सफारी

इंदौर । रालामंडल अभयारण्य आने वाले पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। यहां रविवार से दोबारा वन विभाग डियर सफारी शुरू कर रहा है। एमिनल जोन के लिए गोल्फ कार अभयारण्य पहुंच चुकी है। अब पर्यटक नजदीक से चीतल-हिरण और बारहसिंघा को निहार सकेंगे। उधर सफारी का संचालन एजेंसी को सौंपा है।फिलहाल एक ही कार से पर्यटकों को घुमाया जाएगा।2014 में खरीदी गई गोल्फ कार अगस्त में खराब हो गई। बाद में आला अफसरों ने मेंटेनेंस करने से माना कर दिया। इसके चलते तीन महीने से पर्यटकों के लिए डियर सफारी बंद कर दी। इससे अभयारण्य की कमाई घटने के अलावा पर्यटकों की संख्या भी कम हुई। अक्टूबर में विभाग ने नाइट सफारी की तरह बाहरी एजेंसी को डियर सफारी देने का फैसला लिया और टेंडर निकाला, जिसमें एजेंसी को दो गाड़ियां लगाना थी। बीस दिन का समय दिया।मगर एक आवेदन भी नहीं आया।सूत्रों के मुताबिक टेंडर की समयावधि निकलने के बाद चिड़ियाघर में गोल्फ कार संचालित करने वाली एजेंसी ने वन अफसरों से संपर्क किया। उसके बाद एजेंसी से विभाग ने कार का संचालन को हरी-झंडी दी।रेंजर पुष्पलता मौर्य का कहना है कि शुक्रवार को एजेंसी ने कार अभयारण्य में पहुंचा दी।शनिवार को दिनभर एजेंसी कार का ट्रायल देंगी। डीएफओ नरेंद्र पंडवा का कहना है कि पर्यटकों के लिए रविवार से डियर सफारी शुरू होगी। अभी एजेंसी ने एक ही कार सफारी के लिए लगाई है।

शनिवार-रविवार को बढ़ेगी भीड़

छुट्टी के दिन पर्यटक अभयारण्य घूमना पसंद करते है। डियर सफारी शुरू होने से पर्यटकों की भीड़ एक बार फिर बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारियों के मुताबिक शनिवार-रविवार को तीन से चार हजार पर्यटक आते हैं। उस लिहाज से सफारी के लिए दो कार जरूरी है। एजेंसी को दूसरी कार लगाने के लिए भी कहा जाएगा। वैसे डियर सफारी का किराया 50 रुपये तय कर रखा है।

अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती

धनपुरी। कोयलांचल नगरी धनपुरी एवम आसपास के क्षेत्रों में विगत कुछ महीनो से अवैध व्यापार बड़े स्तर पर फल फूल रहा है जिसमे मुख्य रूप से नगर में सट्टा कबाड़ का अवैध भंडारण एवम कारोबार रेत माफिया के द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवम परिवहन साथ ही धनपुरी नगर में लूडो गेम का भी ऑनलाइन संचालन कर युवाओं में सट्टेबाजी की 1 नई लत का संचार कराया जा रहा है जिससे की क्षेत्र के युवा ऑनलाइन गेम खेलकर अपना भविष्य समय और पैसा बर्बाद कर रहे हैं क्षेत्र में अगर पुलिसिया कार्यवाही और रवैए की बात की जाए तो ।

थानाप्रभारी की ईमानदार और निष्पक्ष छवि को बट्टा लगाते है कुछ पुलिस कर्मी

थाना प्रभारी के अलावा बाकी सभी वर्दीधारियों को अवैध कारोबारियों के साथ चौराहे पे मंत्राणा करते हर किसी ने देखा है पता नही असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले असामाजिक और अपराधी किस्म के अराजक तत्वों से वर्दीधारियों का क्या प्रेम है जो उन्हे अपने ईमानदार अधिकारी की भी इज्जत का कोई ख्याल नही रहता और सरेआम मुलाकात कर अवैध व्यवसाय का कारोबार करने वालो से भाईचारा रख कर अपना हिस्सा तुम्हारा काम के हिसाब से अपने कार्यो का संपादन करते बीच चौक पर नजर आते हैं।धनपुरी थाना क्षेत्र

अंतर्गत बंगवार इमामबाड़ा 4 नम्बर विलियस नम्बर एवम चौक इत्यादि के इर्द गिर्द ही सटोरियों का ठीहा देखने को मिल जाता है जो को ऑनलाइन गेम लेकर लाखों का वारा न्यारा कर रहे हैं कबाड़ के कारोबार की बात की जाए तो क्षेत्र का 1 मशहूर कबाड़ी जिसे पता नही किसके संरक्षण प्राप्त है वह बिना किसी पुलिसिया रोकटोक के अपना अवैध कारोबार धडल्ले से मैन रोड पर अपना ठीहा चलाए जा रहा है अवैध रेत के माफिया बीच चौराहे में बैठकर रेत का परिवहन कराते हैं जिसकी जानकारी पुलिस के अलावा बाकी सभी को है अवैध पैकारी और कच्ची शराब पर पुलिस की कार्यवाही सराहनीय रही है लेकिन क्षेत्र में इस तरह से बढ़ती हुई आसामाजिक गतिविधियां कहीं न कहीं क्षेत्र के युवाओं और गृहणियों के भविष्य को अंधकार की ओर ले जाने का कार्य कर रहीं है जिसका थोड़ा सा श्रेय नगर की चाक चौबंद पुलिस के कुछ कर्मियों को भी जाता है क्योंकि बिना उनके संरक्षण के कोई भी अवैध कारोबार क्षेत्र में फल फूल नही सकता अब क्षेत्र की जनता इंतजार में हैं और जिले के कर्तव्यनिष्ठा पुलिस कप्तान अवधेश कुमार गोस्वामी एवम थाना प्रभारी धनपुरी ईमानदार ओमेश्वर ठाकरे से आशा लगाकर बैठी है की जल्द से जल्द इन जैसे आसामाजिक कृत्यों को अंजाम देने वालों पर लगाम लगाई जाए और व्यापक कार्यवाही की जाए जिससे की नगर में शांति बनी रहे। क्षेत्र की विधायक एवम भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा की मेरे क्षेत्र अंतर्गत किसी भी प्रकार के अवैध कार्यों को करने वालो पर ढिलाई नही बरती जाएगी माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार हर क्षेत्र की पुलिस अपना कार्यो का संपादन निस्पक्षता और ईमानदारी से करे अवैध कारोबार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करे और आसामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करे इसके लिए मैं संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देशित करूंगी।

इस विषय पर धनपुरी थाना प्रभारी ओमेश्वर ठाकरे का कहना है की पुलिस अपना कार्य लगातार ईमानदारी से और जनता के सहयोग से निरंतर कर रही है किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्ति की जानकारी हमे मुहैया कराए हम आपका नाम गोपनीय रखकर कार्यवाही करेंगे।

ईपीएफओ का ई नॉमीनेषन के लिए व्यापक अभियान शुरू

जबलपुर। ईपीएफओं के सदस्यों के ई नॉमीनेशन के लिए विभाग ने व्यापक अभियान चलाया है। जबलपुर कार्यालय के तहत अभी तक सवा पॉच फीसदी कामगारों ने ही अपना ई नॉमिनेशन करवाया है। मप्र एवं छग के भविष्य निधि आयुक्त श्री अजय मेहरा के निर्देश पर विभाग के अधिकारी संस्थानों का दौरा कर रहे हैं। क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त वर्ग 1 श्री राकेश सहरावत ने बताया कि जबलपुर कार्यालय के तहत 211482 अंशदाताओं में से मात्र 11024 अंशदाताओं ने ही अपना ई नॉमिनेशन किया है। ई नॉमिनेशन नही होने से अंशदाताओं के पेंशन एवं मृत्यु प्रकरणों के निपटान में परेशानी होती है। विभाग ने सभी नियोक्ताओं को सभी सम्वाद माध्यमों से उनके कर्मचारियों के शत प्रतिशत नॉमिनेशन के निर्देश दिए हैं। इसके साथ पीएफकमिश्नर सहित विभाग के आला अधिकारी वेबीनार के माध्यम से नियोक्ताओं के बैठक ले रहे हैं। कार्यालय के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों को फील्ड पर संस्थानों से सम्पर्क करने को निर्देशित किया गया है।

क्यों जरूरी है ई नॉमिनेषन

श्री राकेश सहरावत ने बताया कि सभी कर्मचारियों के लिए ई नॉमिनेशन करवाना अनिवार्य होता है और यह नियोक्ता की कि जिम्मेदारी होती है। यह इसलिए किया जाता है ताकि कर्मचारी के न रहने पर उनके आश्रितों को पीएफपेंशन देयकों के भुगतान के लिए परेशान न होना पड़े। कोविड काल में अनेक मृत कर्मचारियों के आश्रितों को इसी कारण परेशानियों से जुझना पड़ा था। रिटायर होने वाले कर्मचारियों को भी ई नॉमिनेशन के बिना पेंशन प्रकरण का निपटान नही हो पाता।

सीमा से अधिक क्षेत्र में हो रहा रेत का खनन, हो रही मनमानी वसूली

अनूपपुर। गत दिवस कोतमा नगर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के द्वारा रेत ठेकेदार द्वारा निर्धारित मूल्य की जगह मनमाने दाम पर की जा रही रेत की बिक्री एवं मुनारा निर्धारित होने के बाद भी सीमा का उल्लंघन करते हैं रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा हैद्य इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की हैद्य ज्ञापन में उल्लेखित करते हुए युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा आरोपित किया गया कि रेत ठेकेदार के द्वारा रेत खदान में अवैध रेत उत्खनन करते हुए निर्धारित मुनारा के बाहर जाकर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है इसके अलावा 35 सौ से लेकर 45 सौ रुपए तक प्रति ट्रैक्टर ट्राली रेत की बिक्री महंगे दामों पर की जा रही हैद्य कार्यवाही ना होने पर 15 दिवस के भीतर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

कोतमा क्षेत्र की जिम्मेदारी नेताजी के कंधे पर

सूत्र बताते हैं कि भले ही पूरे अनूपपुर जिले का ठेका केजी डेवलपर्स ने लिया है वही अघोषित रूप से कोतमा क्षेत्र के रेत खदानों की जिम्मेदारी नगर के एक भाजपा नेता के कंधों पर हैद्य जो कि अपने आप को पूर्व प्रभारी मंत्री का खास भी बताता हैद्य पूर्व में भी रेत को लेकर युवा नेता आशुतोष सराफ और कथित नेता के मध्य वाद विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो चुकी है।

निगवानी में सड़क पर बहता है गंदा पानी, पंचायत की निष्क्रियता

अनूपपुर। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत निगवानी में सड़कों पर गंदा पानी बहता रहता है जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी से दो-चार होना पड़ रहा हैद्य बताया जाता है कि गांव के अनंत राम तिवारी के घर के सामने गंदा पानी बहता रहता है जिसके कारण ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया हैद्य सूत्र बताते हैं कि ग्राम पंचायत द्वारा गांव में प्रमुख स्थानों में नालियां नहीं बनाई गई हैं जिसके कारण ही यह स्थिति उत्पन्न हो रही हैद्य स्वच्छता अभियान के नाम पर शासकीय राशि का दुरुपयोग ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जा रहा है।

एएसआई का रिश्वत लेते वीडियो हुआ वायरल एसपी शहडोल ने त्वरित की कार्यवाही

जयसिंहनगर। थाना क्षेत्र जयसिंहनगर अंतर्गत इन दिनों एएसआई गुलाब सिंह के द्वारा रिश्वत लेने का वीडियो काफी वायरल हो रहा है जिसमे साफ साफ देखा जा सकता है की एएसआई किस तरह से अपने पद और जिम्मेदारी का दुरुपयोग करते नजर आ रहा है मामला 2 पक्षों में हुए मारपीट का था था जिसमे विवेचना करने पहुंचे गुलाब सिंह को रिश्वत लेते हुए किसी ने अपने कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पे वायरल कर दिया इसकी सूचना जब पुलिस अधीक्षक शहडोल अवधेश गोस्वामी तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल कार्यवाही करते हुए एएसआई गुलाब सिंह को निलंबित कर दिया तथा थाना प्रभारी जयसिंहनगर नर्बद सिंह धुर्वे को अपने कार्यों के प्रति लापरवाह होने की वजह से लाइन हाजिर कर दिया एसपी शहडोल ने जब से शहडोल की जिम्मेदारी संभाली है तब से वह भ्रष्टाचार मुक्त जिला बनाने के लिए कृतसंकल्पित है और अपने निस्पक्ष और त्वरित कार्यवाही ले लिए अक्सर आमजनमनस के बीच में चर्चाओं में रहते हैं आमजनमानस ने एसपी श्री गोस्वामी जी की कार्यशैली की तारीफ की है और उनका ऐसे कार्यों के लिए अभिवादन किया है।

जैतहरी में किराना सहित अन्य दुकानों में हो रही पटाखे की बिक्री

जैतहरी। जैतहरी नगर में पटाखे की बिक्री किराना एवं अन्य दुकानों में की जा रही है किंतु पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जा रही हैद्य बताया जाता है कि वर्तमान समय में शादी विवाह सहित अन्य अवसर प्रारंभ हो चुके हैं और लोग खुशियां मनाने के लिए पटाखे की खरीदी भी कर रहे हैंद्य नियमानुसार पटाखे की बिक्री नगर के दूर होनी चाहिए जैसे कि दीपावली के त्यौहार में पटाखे की दुकानों को अलग लगाया जाता है लेकिन वर्तमान समय में है शहर के दुकानों में पटाखे की बिक्री हो रही है।

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के दौरान सेन्स गतिविधियों के संबंध में बैठक 22 नवम्बर को

कटनी। सीईओ जिला पंचायत एवं सह. नोडल अधिकारी सेन्स स्थानीय निर्वाचन कटनी जगदीश चन्द्र गोमे ने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन 2021 में आयोजित होने वाली सेन्स गतिविधियों के संबंध में बैठक का आयोजन 22 नवम्बर को होगा। यह बैठक दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित होगी।

रेड रोज इंग्लिश मीडियम स्कूल में बाल दिवस की धूम

अनूपपुर। गत दिवस रेड रोज इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल के प्रबंधक एवं प्राचार्य श्री सरफराज अहमद सिद्दीकी एवं निर्देशक श्रीमती रूबी सिद्दीकी एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद का आयोजन किया गया मेहंदी रंगोली चित्रकला कबड्डी एवं को कराया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती आभा द्विवेदी बालक उत्तर माध्यमिक विद्यालय श्रीमती मंजू पांडे प्राचार्य चचाई हायर सेकेंडरी स्कूल एवं प्रतिभा सिंह सच्चाई हाई सेकेंडरी स्कूल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ रंगोली में प्रथम स्थान सानिया बेगम एवं दूसरे स्थान पर इर्तिका एवं नंदनी रही वही चित्रकला में प्रथम स्थान कुणाल दुबे द्वितीय स्थान पर अलीशा परवीन रही मेहंदी में प्रथम स्थान एंब्रोस अंजुम द्वितीय स्थान पर मलाइका बी इसी प्रकार कबड्डी में प्रथम स्थान ऑफरीन अयानी एवं द्वितीय स्थान पर तनु दहिया एवं एंजिला अयानी का ग्रुप रहा आज होगा भव्य बाल मेले का आयोजन उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि श्री कमल प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी शहडोल के गरिमामई उपस्थिति में संपन्न होगा कल के कार्यक्रम इस प्रकार होंगे साइंस एग्जीबिशन फैंसी ड्रेस सोलो सोंग्स ट्रैक सोलो सोंग विदाउट ट्रैक जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।

स्काउट गाइड कोविड वैक्सीनेशन प्रचार में ब्रांड एम्बेसडर की भूमिका निभाएं- अपर कलेक्टर

शहडोल। नगरपालिका क्षेत्र शहडोल के विभिन्न वार्डोंमें कोरोना महामारी से बचावं के लिए कोविड वैक्सीनेशन कराने तथा साफ-सफाई व स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए जागरूकता रैली नगरपालिका शहडोल एवं शिक्षा विभाग के सौजन्य से आज कलेक्ट्रेट शहडोल से रवाना की गई। यह रैली ग?ी सोहागपुर वार्ड नं.4 एवं 5 में लोगों को कोविड-19 वैक्सीनेशन कराने एवं साफ-सफाई एवं स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया एवं रैली का समापन वापस कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ। कोविड-19 वैक्सीनेशन कराने एवं साफ-सफाई एवं स्वच्छता का संदेश नगरपालिका शहडोल के

रैली के माध्यम से स्काउट गाइडों द्वारा दिया जा रहा कोविड वैक्सीनेशन का संदेश

विभिन्न वार्डों में स्काउट गाइड रैली के माध्यम से दिया जाएगा। स्काउट गाइड्स रैली को सम्बोधित करते हुए अपर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि, कोविड का दोनों टीका लगवाने में किसी प्रकार का लापरवाही न किया जाए, आप लोग ब्रांड एम्बेसडर बन कर यह संदेश जन-जन तक पहुंचाए, अपने स्वजनों, परिचितों को टीकाकरण कराने हेतु समझाइश देवें तथा सक्रिय सहभागिता एवं सहयेाग के साथ टीकाकरण महा अभियान में अपना सहयेाग प्रदान करें। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग श्री रणजीत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. जीएस परिहार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अमित तिवारी, डीटीसी श्री राकेश पाण्डेय, श्री जीसी मिश्रा, श्री शिवकुमार तिवारी एवं प्राचार्य सेट्रंल एकेडमी श्री संजय मिश्रा, श्री शरद गौतम सहित नगरपालिका एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षा तथा जिले के स्काउट गाइड उपस्थित थें।

घाट पर आटे के दिए का करें दान, नदी में न प्रवाहित करें फूल व दीप

गायत्री परिवार ने दिया नर्मदा शुद्धि का संदेश

जबलपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के जल स्रोत शुद्धि अभियान के क्रम में गायत्री परिवार ट्रस्ट जबलपुर द्वारा वर्ष 2009 से प्रतिमाह पूर्णिमा को नर्मदा तट पर घाट पर ही करें दीपदान का क्रम चलाया जाता है।

इसके अंतर्गत निवेदन किया जाता है कि आटे के दीपक में घाट पर ही करें दीपदान ताकि फू ल और दोने से होने वाले जल प्रदूषण से मां नर्मदा को बचाया जा सके। इसी क्रम में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री परिजनों द्वारा उमाघाट ग्वारीघाट पर 5100 दीपों का दीपदान क्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान विभिन्न माध्यमों से यह भी संदेश दिया गया कि मां नर्मदा की यही पुकार जल जंगल का करो सुधार आदि नारों से गुंजायमान करते हुए टोली के गोविंद श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र कोष्टा, भास्कर तिवारी, शंकर कनौजिया ने क्रम संपन्न कराया। समन्वयक नरेश तिवारी ने नर्मदा शुद्धि जन जागरण का संदेश देकर जन.जन को इस क्रम से जुडने आह्वान किया। इस दौरान मुख्य ट्रस्टी प्रमोद राय, सीताराम त्रिपाठी, नरेश तिवारी, प्रकाश मुर्झानी, रमेश पटेल,

अनूठे आयोजन की सभी ने की सराहना

कमल राय, सुनील मालवीय, मोहन चक्रवैश्य सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जहां दीप जलाए, वहां पर की साफ-सफाई

गायत्री परिवार ने आयोजन के पूर्व घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। वहीं आयोजन होने के उपरांत दीपयज्ञ करके नर्मदा शुद्धि का संदेश दिया और आयोजन पूर्ण होने पर दीपों को एकत्रित किया गया और पुन- सफाई की गई, ताकि नागरिक भी आयोजन के उपरांत घाट को स्वच्छ बनाकर रखें।

मिलकर चलाए अभियान, तभी शुद्ध होगी नर्मदा

गायत्री परिवार के द्वारा रंगोली, पम्पलेट व अन्य के माध्यम से घाट पर आने वाले प्रत्येक नर्मदा भक्त को नर्मदा शुद्धि का संदेश दिया गया। वहीं सभी को जागरूक किया कि जब सभी जागे, तभी नर्मदा शुद्ध हो सकेगी और इसके लिए सभी को मिलकर एक साथ अभियान चलाना होगा।

मोलस्का शोध पर शिवानी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

पनागर। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के प्राणिशास्त्र विभाग की शोधार्थी जूनियर साइंटिस्ट व पर्यावरण गोदावरी अवार्ड से सम्मानित शिवानी राय को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से पीएच.डी की उपाधि दी गई, शिवानी ने टेक्सोनोमिक स्टडीज एंड डाइवर्सिटी ऑफ फ्रेशवाटर मोलस्का इन नर्मदा रिवर इन मध्य प्रदेश ईस्टर्न जोन विषय पर अपना शोध कार्य डॉ. रीता भंडारी, प्राध्यापक प्राणीशास्त्र, शा.ओ..के महाविद्यालय व डॉ. जयश्री शर्मा, प्राध्यापक प्राणीशास्त्र, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर के निर्देशन पर पूर्ण किया । मोलस्का शोध के दौरान शिवानी ने कुल 31 प्रजातियाँ रिकॉर्ड की जिसमे लैमेलिडेन्स कॉन्सोब्रिनस प्रजाति मध्य प्रदेश में पहली बार व नर्मदा में 10 प्रजातियाँ पहली बार पाई गई द्य साथ ही अमरकंटक में मोलस्का पर पहली बार शोध कार्य हुआ जिसमे 8 प्रजातियाँ दर्ज की गई द्य शिवानी पनागर निवासी वर्षा-विजय सिंह राय की सुपुत्री एवं डॉ रोहिन राय, जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी निवाडी की पत्नी एवं अनुज सिंह राय की बहन है ।

सड़क पर अतिक्रमण करने वालों व्यापारियों पर प्रशासन का डंडा

समान जब्ती कर हुई चलानी करवाई

जैतहरी नगर के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों पर प्रशासन का डंडा चलाद्य शनिवार को अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व विजय लहरिया पुलिस प्रशासन एवं नगरपालिका के कर्मियों के साथ नगर के सिविल लाइन एवं अटल द्वार के समीप निरीक्षण करते हुए सड़क पर अतिक्रमण करने वालों पर कार्यवाही करते हुए सामानों की जब्ती की गई और चालानी कार्यवाही करते हुए समझाइश भी दी गई।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने न्यू फंड ऑफर ;एनएफओ के रूप में एचडीएफसी मल्टी कैप फंड की घोषणा की

मुंबई . प्रबंधन के तहत संपत्ति में 4.48 ट्रिलियन रुपए वाले भारत के अग्रणी म्यूचुअल फंड हाउस में से एक एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने न्यू फंड ऑफर ;एनएफओ ष्एचडीएफसी मल्टी कैप फंड की घोषणा की। यह फंड उन निवेशकों के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है जो लार्ज कैपए मिड कैप और स्मॉल कैप सेगमेंट में अनुशासित एक्सपोजर के साथ अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहते हैं। यह स्कीम लार्जए मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में से प्रत्येक में कुल एसेट्स का न्यूनतम 25 फीसदी का अनिवार्य आवंटन करेगीए जबकि इसके कुल एसेट्स का शेष 25 फीसदी फंड मैनेजर के मार्केट विजन के आधार पर आवंटित किया जाएगा। इस स्कीम में बाजार पूंजीकरण के क्षेत्रों के व्यापक प्रतिनिधित्व का विकल्प होगा। एनएफओ 23 नवंबर, 2021 को खुलेगा और 7 दिसंबरए 2021 को बंद होगा।

ऐतिहासिक रूप से अलग.अलग मार्केट कैप सेगमेंट ने विभिन्न समय में एक.दूसरे से बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले 16 वित्तीय वर्षों ;वित्त वर्ष 06 से वित्त वर्ष 21में 6 वर्षों में लार्ज कैप सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला मार्केट कैप सेगमेंट रहा हैए वहीं 3 वर्ष मिड कैप और 7 वर्ष तक स्मॉल कैप ने बेहतर प्रदर्शन किया। नतीजतनए यह पूरे बाजार में निवेश के लिए मल्टी कैप दृष्टिकोण के लिए प्रेरित करता है। हालांकिए ज्यादातर निवेशकों के लिए लार्जए मिड और स्मॉल कैप में आवंटन तय करना आसान नहीं होता है। एचडीएफसी मल्टी कैप फंड उन निवेशकों के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान कर सकता है जो एक ही फंड के माध्यम से लार्ज कैप की स्थिरताए मिड कैप की वृद्धि और स्मॉल कैप की क्षमता प्राप्त करने के उद्देश्य से मार्केट कैप सेगमेंट में अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहते हैं। मल्टी कैप दृष्टिकोण निवेशकों को विभिन्न मार्केट कैप सेगमेंट के आउटपरफॉर्मेंस ध् अंडरपरफॉर्मेंस की भविष्यवाणी करने के बजाय विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

निवेश रणनीति के संदर्भ में एचडीएफसी मल्टी कैप फंड स्टॉक चयन के लिए टॉप डाउन और बॉटम अप अप्रोच के मिश्रण का पालन करेगा। वर्तमान निवेश रणनीति के अनुसारए स्कीम कुल एसेट्स का लगभग 60 से 75 फीसदी लार्ज और मिड कैप में निवेश करेगी। इसके अलावाए यह स्मॉल कैप्स में कुल एसेट्स का 25 से 40 फीसदी निवेश करेगी। यह स्कीम बिना स्टाइल पूर्वाग्रह के निवेश करेगी और इसका लक्ष्य विकास, मूल्य और टर्नअराउंड कंपनियों के अवसरों को हासिल करना है।

इन्दिरा आईवीएफके 102 वें सेंटर का मध्यप्रदेश में शुभारंभ

रीवा। ग्रामीण, शहरी और महानगरीय क्षेत्रों में महिलाओं में इनफर्टिलिटी की समस्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन इस बीमारी में भी आईवीएफके माध्यम से संतान प्राप्ति की जा सकती है। नि:संतानता के उपचार के क्षेत्र में सबसे बड़ी फर्टिलिटी चैन इन्दिरा आईवीएफके रीवा सेंटर फर्स्ट फ्लोर अंगीरा अम्पायरए पीके स्कूल के पीछे का शुभारंभ विधानसभा सदस्य और पूर्व मंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने किया है। यहां दम्पतियों को रियायती दरों में अत्याधुनिक उपचार दिया जाएगा। रीवा में यह ग्रुप का 102 वां तथा मध्यप्रदेश में इन्दौरए भोपालए जबलपुर ग्वालियरए रतलाम और उज्जैन के बाद 7 वां सेंटर है। मुख्य अतिथि राजेन्द्र शुक्ला ने इन्दिरा आईवीएफ द्वारा नि:संतानता के प्रति जागरूकता और उपचार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दम्पती का परिवार संतान के बिना अधूरा रहता है। दम्पती जब निसाना से प्रभावित होते हैं तो परेशान रहने लगते है ऐसे में इन्दिरा आईवीएफउन्हें रियायती दरों में श्रेष्ठ उपचार प्रदान करने का विश्वास दिलाता है जिससे उन्हें संतान सुख की आस बंध जाती है।इन्दिरा आईवीएफग्रुप के सीईओ एवं को.फाउण्डर डॉ क्षितिज मुर्डिया ने बधाई देते हुए कहा कि दम्पतियों को नि:संतानता और आईवीएफको लेकर किसी तरह का डर रखने की जरूरत नहीं है क्योंकि आईवीएफसरल और सुलभ उपचार तकनीक है। इससे जटिल समस्याओं के बावजूद दुनियाभर में कई दम्पतियों ने संतान सुख प्राप्त किया है। इन्दिरा आईवीएफकी स्थापना के बाद से ही हम दम्पतियों को रियायती दरों में नि:संतानता के इलाज में सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम समझते हैं कि संतानहीनता का दम्पती के मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता है और हम उन पर आर्थिक या मानसिक रूप से बोझ डाले बिना एक ही छत के नीचे इसका समाधान प्रदान करने के लिए दृढ संकल्पित है। रीवा सेंटर हेड डॉ रीना त्रिपाठी ने बताया कि दम्पतियों में नि:संतानता का उपचार अपनाने से पहले जांच करवाने की जागरूकता बढ़ रही है। जब कोई दम्पती पहली बार हमारे पास आता हैए तो उन्हें आईवीएफ उपचार शुरू करने से पहले विभिन्न विकल्पों और परिणामों के बारे में बताया जाता है। इसके बाद नि:संतानता का कारण जानने और उपचार प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए पति.पत्नी दोनों की जांच की जाती है। असिस्टेड रिप्रोडक्टीव टेक्नोलॉजी से न केवल उन दम्पतियों को मदद मिलती है जिन्हें नि:संतानता की समस्या से प्रभावित होने पर संतान सुख प्राप्त करना है। बल्कि महिला.पुरुष जो कुछ साल बाद परिवार को पूरा करना चाहते हैं वे भी अपने अण्डे या शुक्राणु को ?ीज करवा कर भविष्य में संतान सुख प्राप्त कर सकते हैं। सेंटर शुभारंभ के अवसर पर पूरे नवम्बर माह में नि:शुल्क निसंतानता परामर्श शिविर केन्द्र पर आयोजित किया जा रहा हैण् जिसमें नि:सतान दपती नि:सतानता से जुड़ी समस्याओं के बारे में विशेषज्ञों से नि:शुल्क परामर्श प्राप्त कर सकेंगे ।

कार्यालय कलेक्टर, (सर्व शिक्षा अभियान) जिला- अनूपपुर (म.प्र.)
E-mail add: zsk.anuppur@gmail.com ph No. 07659-222971
क्र./ जिशिके/ स्था./ 2021/ 820 अनूपपुर दिनांक 17/11/ 2021

अनूपपुर जिले हेतु बीएससी एवं जन शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जिला स्तर पर काउन्सलिंग

संचालक, राज्य शिक्षाक केन्द्र भोपाल का पत्र क्र. /स्था/ 2021/ 5528, दिनांक 06.10.2021 भोपाल का पत्र क्र. (स्था.) 2021/ 3183, भोपाल दिनांक 14.06. 2021 भोपाल का पत्र क्र./स्था/2019/ 7077 दिनांक 14.11.2019 सर्व शिक्षा अभियान अन्तर्गत जिले के विकास खण्डों में बीएससी तथा जनशिक्षक केन्द्रों में जन शिक्षक के रिक्त पदों के विरुद्ध प्रतिनियुक्ति हेतु शिक्षकों एवं माध्यमिक शिक्षकों की अद्यतन वरिष्ठता सूची अनुसार काउन्सलिंग दिनांक 3/12/21 को समय 3 श्रद्ध पंचायत सभागार अनूपपुर में आयोजित है।
बीएसी एवं जन शिक्षक हेतु ऐसे उच्च श्रेणी शिक्षक अथवा माध्यमिक शिक्षक जिनकी आयु दिनांक 01 जुलाई 2019 की स्थिति में 52 वर्षों से अधिक ने हो एवं न ही संबंधित के विरुद्ध कोई विभागीय जांच, अपराध एवं लंबे समय से अनुपस्थित संबंधित शिकायत एवं कार्यवाही प्रचलित न होने ऐसे आवेदक ही प्रतिनियुक्ति हेतु अर्ह एवं पात्र होंगे।

मुख्य कार्यालय अधिकारी
जिला पंचायत अनूपपुर म.प्र.

गौतम गंभीर ने हर्षल पटेल की शान में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की तारीफों के पुल बांधे। शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ रांची में खेला गया दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला हर्षल पटेल का डेब्यू मैच था। इस मुकाबले में उन्होंने कातिलाना गेंदबाजी करते हुए कीवी टीम के दो विकेट झटके। उन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया।

गंभीर ने हर्षल की तारीफ में पढ़े कसीदे

स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, मैच में हर्षल पटेल का प्रदर्शन अविश्वसनीय था, उन्हें देखकर ऐसा कभी नहीं लगा कि वह अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैं, उन्होंने अपने प्रयास से काफी प्रभावित किया। उन्होंने आगे कहा कि 8-10 साल प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अनुभव और शानदार आईपीएल सीजन आपके लिए यही कर सकता है। गंभीर के मुताबिक, आपने भारत के लिए पहला मैच खेला आप अच्छी अपने खेल के बारे में बेहतर जानते हो, आप धोखा देने वाले गेंदबाज नहीं हैं क्योंकि आपने आईपीएल में अच्छा किया है जो उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट है, यदि आपको वहां सफलता मिल सकती है तो आप यहां भी वही लगातार कर सकते हैं। गंभीर ने कहा, आज की रात हर्षल पटेल ने जो किया उससे वह खुश होंगे क्योंकि उन्होंने बड़े मंच पर यह प्रदर्शन किया है।

अजित अगरकर ने दी हर्षल को डेब्यू कैप

रांची में दूसरे टी-20 मैच के खेले जाने से पहले टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर ने हर्षल पटेल को डेब्यू कैप दी। अपने पहले ही टी-20 मुकाबले में उन्होंने खतरनाक गेंदबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल को आउट किया। उन्होंने चार ओवर के स्पेल में 25 रन देकर दो विकेट झटके।

देश के लिए खेलना गौरव की बात

न्यूजीलैंड के खिलाफ जब टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान हुआ तो बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने हर्षल पटेल को भी जगह दी। साल 2021 आईपीएल में उन्होंने 15 मैचों में सबसे ज्यादा 32 विकेट लिए थे। हर्षल ने आईपीएल के एक सीजन में सबसे अधिक विकेट लेने वाले ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। उनके इस प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20 सीरीज में मौका दिया। स्टार स्पोर्ट से बात करते हुए हर्षल पटेल ने कहा, देश के लिए खेलना गौरव की बात है, मैं क्रिकेट से बेइम्तहां प्यार करता हूं, प्रत्येक खिलाड़ी का सपना अपने देश के लिए खेलने का होता है। इस दौरान उन्होंने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की भी तारीफ की।

यह करिश्मा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय

न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में बेहतर गेंदबाजी करने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। वह डेब्यू टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड पाने वाले देश के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले बरिंदर सरन और नवदीप सैनी अपने डेब्यू टी-20 मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

भुवनेश्वर की गेंद पर टूटा जेम्स नीशम का बल्ला, हैरान रह गया कीवी बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टी-20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार को खेला गया। रांची में हुए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने कीवियों सात विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहले मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करने वाले भुवनेश्वर कुमार ने इस मुकाबले में भी शानदार बॉलिंग की। इस दौरान उनकी एक खतरनाक गेंद पर कीवी बल्लेबाज जेम्स नीशम का बल्ला भी टूट गया। आक्रामक बल्लेबाज के रूप में मशहूर को चुके नीशम को भुवनेश्वर कुमार ने पवेलियन की राह दिखाई।

भुवनेश्वर की गेंद पर टूटा नीशम का बैट

न्यूजीलैंड की पारी की 18वां ओवर भुवनेश्वर कुमार फेंकने आए। यह उनके स्पेल का अंतिम ओवर था उस समय जेम्स नीशम क्रीज पर मौजूद थे। कीवी बल्लेबाज इस ओवर में भुवनेश्वर की गेंदों पर कई बार तगड़ा प्रहार करने की कोशिश की लेकिन वह सफल नहीं हुई। इस दौरान एक हवाई शॉट खेलने के प्रयास में उनका बैट भी टूट गया। भुवनेश्वर की गेंद पर जब नीशम का बल्ला टूटा तो डगआउट में बैठे कीवी खिलाड़ी हैरान थे। हालांकि इस ओवर की आखिरी गेंद पर भुवी ने नीशम को आउट कर न्यूजीलैंड को छठा झटका दिया। वह सिर्फ तीन रन ही बना पाए।

भारत ने कीवियों को सात विकेट से हराया

इस दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए छह विकेट पर 153 रन बनाए। कीवी टीम की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 34 रनों की पारी खेली। उनके अलावा मार्टिन गुप्टिल और डेरिल मिचेल 31-31 रन बनाकर आउट हुए। जबकि पहले मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले मार्क चैपमैन 21 रन ही बना पाए। टीम इंडिया की तरफ से डेब्यूटेंट हर्षल पटेल ने किफायती गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। जीत के लिए 154 रनों का टारगेट हासिल करने उतरी टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी की। केएल राहुल 65 रन बनाकर आउट हुए जबकि रोहित ने 55 रनों की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सूर्यकुमार यादव सफल नहीं हुए वह एक रन पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद वेंकटेश अय्यर और ऋषभ पंत नें भारत को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। यह दोनों खिलाड़ी 12-12 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से सभी तीनों विकेट टिम साउदी ने लिए। मैच में शानदार बॉलिंग करने वाले हर्षल पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

क्या खराब TRP के चलते छोड़ दिया शो?

इस हफ्ते नजर नहीं आएंगे सलमान खान

नई दिल्ली। बिग बॉस 15 की रेटिंग तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रही। सलमान खान का स्टारडम भी इस शो को नहीं बचा पा रहा। हालांकि भाईजान ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर ली है। पर टीआरपी है कि आती ही नहीं। अब लगता है दबंग खान इससे हताश हो गए हैं और शो को छोड़ने का मन बना लिया है।खबर आ रही है कि इस हफ्ते वीकेंड का वार में सलमान खान नजर नहीं आने वाले हैं। हालांकि शो छोड़ने की बातें अभी कयास भर हैं पर ये तो सच्चाई है कि बिग बॉस का सीजन 15 दर्शकों को इम्प्रेस करने में नाकाम रहा है। अब कारण चाहे कंटेस्टेंट का दिलचस्प ना होना, शो में लव एंगल का फेक और स्क्रिप्टेड लगना हो। आलम ये है कि इस सीजन में शो की टीआरपी कुछ खास अच्छी नहीं रही है। टॉप-10 की लिस्ट में भी बिग बॉस जगह नहीं बना पा रहा है। वहीं शो को मजेदान बनाने के लिए मेकर्स ने बड़े फैसले करने की ठानी है। जल्द ही आपको घर में रश्मि देसाई, देवोलीना भट्टाचार्जी की एंट्री देखने को मिलने वाली है। वैसे सलमान खान के इस हफ्ते शो में नजर ना आने के पीछे की वजह कुछ और है। सलमान खान पिछले काफी समय से बिजी चल रहे हैं। अंतिम की रिलीज के चलते उनका शेड्यूल काफी टाइट है। वहीं द खबरी के रिपोर्ट्स के अनुसान इस बार %वीकेंड का वार महेश मांजरेकर होस्ट करेंगे।

जल्दी होगी वाइल्ड कार्ड एंट्री

~~रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मि देसाई और देबोलीना भट्टाचार्जी वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में घर में कदम रख सकती हैं।~~ रिपोर्ट्स हैं कि मुताबिक रश्मि देसाई, देवोलीना भट्टाचार्जी और अभिजीत बिचुकले अगले हफ्ते या इस सप्ताह के अंत में घर में एंट्री करेंगे। उम्मीद है कि इन सबसे शो की टीआरपी में कुछ उछाल आ जाए।

विक्की कौशल ने पंजाबी सॉन्ग पर की मस्ती

नई दिल्ली। विक्की कौशल और कटरीना कैफ अपनी शादी को लेकर काफी चर्चा में हैं। दोनों को अक्सर साथ ही में घूमते हुए स्पॉट किया जाता है। हालांकि अपने रिश्ते को लेकर दोनों ने कई भी आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की है। इस बीच उनकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,जिसमें वो एक पंजाबी सॉन्ग पर मस्ती करते दिख रहे हैं। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेता विक्की कौशल कार में बैठकर सुरिंदर कौर और रमेश रंगीला का पंजाबी गाना मित्रां दा चालिया ट्रक गा रहे हैं। वीडियो में विक्की ब्लैक एंड व्हाइट चेकर्ड शर्ट के साथ ब्लैक कैप और डार्क सनग्लाज लगा दिख रहे हैं। साथ ही वीडियो में उनके फेस एक्सप्रेशन भी फैंस का दिल जीत रहे हैं। वीडियो को अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। आपको बता दें कि बॉलीवुड लाइफ डॉट कॉम की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कटरीना और विक्की कौशल इस साल दिसंबर में राजस्थान की पिंक सिटी स्थित सिक्स सेंस फोर्ट में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। वहीं रिपोर्ट में दावा किया गया था कि विक्की ने अगली साल 2022 मई में शादी करने की इच्छा जताई थी। लेकिन कटरीना इसके लिए तैयार नहीं थीं। वहीं कटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म टाइगर फ्रेचाइंजी की फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म में वो पाकिस्तानी एजेंट का भूमिका में नजर आ सकती हैं। तो सलमान खान रॉ के एजेंट के किरदार में नजर आ सकते हैं। यश राज फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा कर रहे हैं। इसके अलावा कटरीना फिल्म फोन भूत में भी नजर आने वाली हैं। बात अगर विक्की कौशल के वर्कफ्रंट की करें तो वो महाभारत के योद्धा अश्वत्थामा पर आधारित फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा में नजर आने वाले हैं।

नुसरत भरूचा की फिल्म का ट्रेलर देख सिहर उठेंगे

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो ने हॉरर फिल्म छोरी का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मराठी फिल्म लपाछापी को हिंदी में विशाल फुरिया ने रीमेक किया है। फिल्म में नुसरत भरूचा लीड रोल में हैं। छोरी 26 नवम्बर को प्राइम पर स्ट्रीम की जाएगी। नुसरत ने अधिकतर रोमांटिक फिल्में ही की हैं। ट्रेलर से छोरी की दुनिया की झलक मिलती है, जिसमें साक्षी (नुसरत भरूचा) एक गांव में पहुंचती है। जिस परिवार और घर में वो ठहरती है, वहां कुछ अजीब बातें हो रही हैं। ट्रेलर के दृश्यों में दिखाया गया है कि साक्षी गर्भवती हो जाती है और कुछ अमानवीय शक्तियां पीछे पड़ जाती हैं, जिनका ताल्लुक अतीत की किसी रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना से है। ट्रेलर ऐसे सवालों के साथ छोड़ देता है- क्या साक्षी खुद को बचा पाएगी ? क्या वह अपने अजन्मे बच्चे की रक्षा कर पाएगी ? फिल्म में नुसरत भरूचा के साथ मीता वशिष्ठ, राजेश जायस, सौरभ गोयल और यानिया भारद्वाज मुख्य भूमिकाओं में हैं। नुसरत भरुचा ने फिल्म को लेकर कहा, हॉरर जैसी एक नई और अनोखी शैली में कदम रखना एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभव है। फिल्म की कहानी हॉरर में एंकर की गई है, जिसमें एक ऐसा दृष्टिकोण भी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जुड़ पाएंगे। ट्रेलर एक बड़े रहस्य और डरावनेपन की एक झलक है जो सुलझने के लिए तैयार है। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर में प्राइम वीडियो के दर्शक इस फिल्म में हमारे इस काम को पसंद करेंगे व सराहना करेंगे और मैं उनकी प्रतिक्रियाओं इंतजार कर रही हूं। निर्देशक विशाल फुरिया ने कहा, छोरी एक ऐसी अनोखी कहानी है,जो दर्शकों के बीच पहुंचने के लिए बेकरार है। हमारा उद्देश्य छोरी जैसी डरावनी कहानी को फिल्म देखने वालों के एक व्यापक क्रॉस-सेक्शन तक ले जाना है और इस जॉनर के शौकीनों को डर का एहसास करवाना है। नुसरत ने अपने करियर में अधिकांश रोमांटिक फिल्मों में काम किया है। हालांकि, 2014 में आयी हॉरर फिल्म डर ञ्ज मॉल में उन्होंने फीमेल लीड रोल निभाया था, जिसमें जिम्मी शेरगिल लीड रोल में थे। नुसरत, अक्षय कुमार की निर्माणाधीन फिल्म राम सेतु का हिस्सा भी हैं।

क्या छठी अनुसूची और पेसा कानून लागू करेगी सरकार

यशभारत, अगर भाजपा को प्रदेश के आदिवासियों की इतनी चिंता है तो क्या छठी अनुसूची और पेसा कानून लागू करेगी सरकार? भारतीय जनता पार्टी बस अपनी ब्राडिंग कर रही है, हालत यह है प्रदेश का खजाना पूरी तरह से खाली हो चुका है, वही केंद्र सरकार जिस तरह से अब आदिवासियों की चिंता कर रही है उससे यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार को केवल दोबारा अपनी सरकार बनाने को लेकर चिंता है, उन्हें आदिवासियों से कोई सरोकार नहीं, आदिवासियों के हितों की रक्षा सदैव कॉन्ग्रेस ने की है। यह कहना है प्रदेश के पूर्व वन मंत्री उमंग सिंगार का, यश भारत के लोकप्रिय कार्यक्रम प्राइम टाइम विद आशीष शुक्ला में आज उन्होंने चर्चा की.....

वीडियो देखने के लिए यश भारत फेसबुक पर जाएं

शाम 5 बजे प्रसारण

क्या एमएसपी की गारंटी दी?

कैबिनेट मंत्री उमंग सिंगार ने कहा कि. किसान बिल वापस होने पर निश्चित रूप से किसानों के लिए फायदेमंद है. लेकिन मोदी सरकार ने अभी तक एमएसपी के बारे में कुछ भी नहीं बोला है. एमएसपी को लेकर केंद्र सरकार ने कोई गारंटी नहीं दी।

चुनाव को दृष्टिगत रखते निर्णय

श्री सिंगार तीनों कृषि बिल केंद्र सरकार द्वारा वापस लिए जाने के फैसले को आने वाले राज्यों में होने वाले चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया फैसला बताते हैं। वे कहते हैं कि क्योंकि उत्तर प्रदेश और पंजाब में किसानों में इस बिल को लेकर आक्रोश ज्यादा था। जिसको महसूस करते हुए मोदी सरकार ने घुटने टेके।

प्राइम टाइम विद आशीष शुक्ला में प्रदेश के पूर्व वन मंत्री उमंग सिंगार से चर्चा

7 सौ किसानों ने दी शहादत

पूर्व वन मंत्री कहते हैं कि मोदी सरकार किसानों के हित की झूठी बात करते हैं। प्रधानमंत्री को अगर किसानों की चिंता होती तो कृषि कानून लागू ही नहीं करती. जिसके कारण किसानों को आंदोलन करना पड़ा. 700 किसानों की इस आंदोलन में मौत हुई, क्या मोदी सरकार आंदोलन में मारी किसानों को शहीद का दर्जा देगी?

यह कारपोरेट की हार है

श्री सिंगार कहते हैं कि. किसान बिल का वापस लेना एक तरह से कारपोरेट की हार है। वे लोग जो किसानों की जमीन हड़पना चाहते थे. उनके मंसूबे किसानों ने अपनी जान की बाजी लगाकर नापाक कर दिए और कृषि बिल वापसी कारपोरेट की सबसे बड़ी हार है।

पूर्ण बहुमत बावजूद कारपोरेट के हित में फैसले

श्री सिंगार कहते हैं कि मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत जनता ने दिया है. बावजूद इसके वह कारपोरेट के हित में फैसले लेते आ रहे हैं। कृषि बिल भी उसी कारपोरेट को फायदा पहुंचाने की नीयत से बनाया गया कानून था जिस मंसूबों को देश के किसानों ने ध्वस्त कर दिया।

आदिवासियों को कर रहे विस्थापित

श्री सिंगार भाजपा द्वारा बिरसा मुंडा जयंती मनाने के सवाल पर कहते हैं कि प्रदेश की प्रदेश की आदिवासी जनता कभी भी भारतीय जनता पार्टी के साथ नहीं खड़ी हुई। आज आदिवासियों की जमींन कारपोरेट को फायदा पहुंचाने के लिए हथिया रहे हैं। उन्हें विस्थापित कर रहे हैं. उनके जंगल पर. खनिज संसाधनों पर अधिकार कारपोरेट के हाथ में जा रहा है। आदिवासी अगर जंगल की लकड़ी काटता है तो उसे सजा मिलेगी. लेकिन वही पेड़ कारपोरेट के लोग धड़ल्ले से काट रहे हैं।

कांग्रेस ने की आदिवासियों की चिंता

श्री सिंगार सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहते हैं कि आदिवासी समाज को कांग्रेस ने बहुत कुछ दिया है आरक्षण से लेकर उनके हद तक वहीं अगर भाजपा को आदिवासी समाज की इतनी चिंता है तो क्या प्रदेश में छठी अनुसूची लागू करेंगे या पेसा कानून लागू करेंगे? अगर पूरे प्रदेश में ना सही तो उन क्षेत्रों उन ब्लॉकों में अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर लागू कर सकते हैं।

गौ टैक्स खजाना भरने का प्रयास

पूर्व मंत्री कहते हैं कि सरकार का खजाना पूरी तरह से खाली हो चुका है. जिस कारण वे जनता पर अनाप-शनाप टैक्स लगाकर खजाना भर रहे है। जिसमें एक गौ टैक्स भी है। क्या प्रदेश के मुखिया बताएंगे कि जिस जनता से उन्होंने गौ टैक्स के नाम पर धन बटोरा है. तो प्रति गाय उन्होंने कितना खर्च किया है। अगर यह गांव को माता मानते हैं तो बताएं कि अभी भी गाय के मांस का निर्यात क्यों हो रहा है गाय की हत्या अभी भी क्यों जारी है।

जबलपुर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार

20 वें स्थान पर लगाई छलांग

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले को देश का सबसे स्वच्छ शहर होने पर 5वीं बार पुरस्कृत किया गया है। इंदौर के साथ अन्य शहरों की स्थिति भी स्वच्छता में सुधर रही है। जबलपुर ने स्वच्छता रैंकिंग में उछाल मारते हुए 20 वां स्थान हासिल किया है। जबकि पिछले साल जबलपुर की रैंकिंग 43 थी।

नगर निगम कमिश्नर संदीप जी आर ने बताया कि स्वच्छता में जबलपुर की स्थिति बेहतर हो रही है। पिछले साल की अपेक्षा इस बार बहुत सुधार हुआ है जिसका नतीजा यह है कि जबलपुर को स्वच्छता में 20 वीं रैंक मिली है। शहर स्वच्छता में कहां कमजोर इसका पता लगाया जा रहा है। शहर को टॉप 10 में शामिल करने के प्रयास तेजी से किए जाएंगे। आने वाले साल में जबलपुर की स्वच्छता रैंकिंग और सुधरे इसके लिए अनूठे प्रयास किए जाएंगे।

उम्मीद टॉप-10 की थी

निगमायुक्त ने बताया कि उम्मीद की जा रही थी कि सर्वेक्षण के दौरान जिस तरह से नगर निगम ने सफाई को लेकर सजगता दिखाई उससे जबलपुर टॉप-10 में जगह बनाएगा। इस बार रैंकिंग सुधरने की उम्मीद लिए जबलपुरवासी भी परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लोगों का मानना था कि रैंकिंग सुधरने से देशभर में शहर का नाम होगा वहीं हुआ। विदित हो कि नगर निगम ने भी रैंकिंग सुधारने में कोई कोर कसर नहीं छो ी थी। लोगों के साथ-साथ अधिकारी भी नजरें जमाए बैठे थे।

आगे भी प्रयास जारी रहेंगे

निगमायुक्त संदीप जीआर ने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान न सिर्फ नगर निगम बल्कि शहर के लोगों ने भी जागरूकता का परिचय देते हुए सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया था। हम आगे भी प्रयास जारी रखेंगे। शहर स्वच्छता अच्छी रैंकिंग हासिल करें इसमें सभी का प्रयास जरूरी है। आने वाले सालों में स्वच्छता में जबलपुर रैंकिंग अच्छी होगी इसी आधार पर काम किया जाएगा।

पहल : सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने त्रिपुरी चौक में बनाया गया ट्राफिक कोण

जबलपुर, यशभारत। शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस-प्रशासन लगातार प्रयासरत है। जिसके चलते नई पहल करते हुए आज शनिवार को त्रिपुरी चौक गढ़ा में ट्राफिक कोण बनाया गया। जानकारी अनुसार पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल एवं उप पुलिस अधीक्षक पंकज परमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी यातायात हेमंत बरहैया एवं थाना यातायात गढ़ा के स्टाफ द्वारा आज शनिवार को दुर्घटना संभावित क्षेत्र त्रिपुरी चौक गढ़ा जबलपुर में ट्राफिक कोण लगाकर अस्थाई डिवाइडर बनाया गया। जिसमें की दुर्घटना में रोक लगे एवं वाहन चालकों को सुरक्षित वाहन चालन एवं यातायात के नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। **फोटो- अशोक बर्मन**

अधारताल में लाखों का गड़बड़झाला

प्लॉट की कीमत लेने के बाद भी डीलर नहीं कर रहा रजिस्ट्री

जबलपुर, यशभारत। अधारताल में प्लॉट की पूरी कीमत लेने के बाद भी पीड़ित दंपत्ति को लाखों रुपए का चूना लगाकर प्लॉट की रजिस्ट्री ना करने का एक मामला न्यू राम नगर में सामने आया है। पीड़ितों ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार मीना जाटव उम्र 53 साल ने पुलिस को बताया कि पति इन्द्र कुमार जाटव उम्र 65 साल ने मोहम्मद इस्माइल पिता दीन मोहम्मद मंसूरी से न्यू राम नगर , गणेश मंदिर के सामने एक ड्यूप्लेक्स खरीदा। इस हेतु पति ने मोहम्मद इसमाइल के साथ 01 फरवरी 2019 को अनुबंध किया था और दूसरा अनुबंध मजबूरी में 16जनवरी 2020 को किया था । मेरे पति ने मोहम्मद इसमाइल को 01फरवरी 2019 के अनुबंध के पहले ही ड्यूप्लेक्स की कीमत 35,50,000 दे दिए थे, लेकिन ड्यूप्लेक्स में कुछ कार्यों के अधूरे रहने के कारण ड्यूप्लेक्स का पजेशन नहीं लिया था । ये सारे अधूरे कार्यों का विवरण 1 फरवरी 2019 के अनुबंधन पत्र में दशार्य गया था । इतने रुपये देने के बाद भी मोहम्मद इसमाइल कोई ना कोई बहाना बना कर बचे हुऐ अधूरे कार्यों को पूरा नहीं करवाया गया और ड्यूप्लेक्स विक्रय करने के लिए दूसरी पार्टी तलाश रहा था । **बना रहा बहाने** - पीड़िता ने बताया कि इसके बाद मोहम्मद इसमाइल से बात की तो वह अनुबंध पत्र का समय खत्म होने का बहाना बनाने लगा। जबकि अधूरे कार्यों और ड्यूप्लेक्स के आवश्यक दस्तावेजों को नहीं बनवाकर देने के कारण समय खत्म हुआ था, जो महिम्मद इसमाइल ने अभी तक बनवाकर नहीं दिये हैं और मोहम्मद इसमाइल उल्टा कहने लगा कि अब भी यदि आप ड्यूप्लेक्स खरीदने चाहते हैं तो मुझे 12,00,000 अंकन बारह लाख रुपये और दो तभी मैं आपको ड्यूप्लेक्स की चाबी और पजेशन दूंगा अन्यथा आपके रुपयों में से 25 प्रतिशत रुपये काट कर बाकी के रुपये वापस कर दूँगा और वो भी तब दूंगा जब मेरा ड्यूप्लेक्स बिक जाएगा। इस तरह की कोई भी शर्त किसी भी एग्रीमेंट में नहीं दर्शाई गई है, फिर भी मोहम्मद इसमाइल मेरे पति से दबंगई दिखाकर रुपए हड़पने की कोशिश कर रहा था ।

पीड़ित दंपत्ति ने थाने में लगाई न्याय की गुहार, मामले की जांच जारी

जेवर गिरवी रख, बैंक से लिया लोन - पीड़िता ने बताया कि उनके पति की तबियत ठीक नहीं रहती है। जिसका वह फायदा उठा रहा है। मेरे पति ने परेशान होकर मेरे जेवर बेच और एस बी आई बैंक अधारताल ब्रांच जबलपुर से लोन लेकर मोहम्मद इसमाइल को रुपये 9,50,000 रुपये और बचे हुए रुपयों के एस बी आई बैंक से दो चेक कुल 2,50,000 रुपयों दिये । तब मोहम्मद इसमाइल ने मेरे पति को ड्यूप्लेक्स की चाबी और पजेशन तो दे दिया है, लेकिन अधेर कार्य नहीं करवाए है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

गोरखपुर में अजब-गजब धोखाधड़ी

50 और 30 हजार रुपए जमा करवाकर, दे रहे थे 5 प्रतिशत ब्याज का झांसा

एफआईआर दर्ज, जांच जारी

जबलपुर, यशभारत। गोरखपुर में धोखाधड़ी का एक अजब-गजब मामला सामने आया है। जिसमें तीन युवकों ने बकायदा पंपलेट छपवाकर, लोगों को हजारों रुपए निवशे करने जागरुक कर रहे थे। शातिर युवक प्रतिमाह 5 प्रतिशत ब्याज का झांसा देकर, पैसा वसूलना चाहते थे। लेकिन प्रचार कर रहे युवकों को दबोचकर, मामला दर्ज कर लिया गया। जिसकी जांच जारी है। गोरखपुर एसआई ब्रजभान सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि छोटी लाइन में आरपीएम ग्रुप के माध्यम से तीन युवक पंपलेट हाथों में लेकर लोगों को बांट रहे थे। उनका कहना था कि आर्थिक स्थिति मजबूत करने ही लोगों को वह जागरुक कर रहे है।

50 और 30 हजार रुपए करें निवेश, मिलेगा ब्याज - तीनों युवक अनुज सिंग निवासी रांझी, सचिन राज निवासी भानतलैया और रितेश रावट निवासी कटंगा आरपीएम ग्रुप के माध्यम से निवेश किए हुए रुपयों में 5 प्रतिशत के ब्याज का लालच दे रहे थे।

स्मरण

20 नवम्बर
31 वें जन्मदिन पर
तुम्हारे यादों की लाठी सदा परिवार का संबल बनाये रखे।
जिस जहां मे हो सदा खुश रहना

पिता- विनोद वैद्य,
मां- सरस्वती वैद्य
छोटा भाई अक्षय
और समस्त वैद्य परिवार।

अमोल वैद्य

पता- ई/30संजीवनी नगर जबलपुर

लुटेरी बाइकर्स गैंग ने महिला के गले से छीनी चेन

जबलपुर, यशभारत। ओमती थाना अंतर्गत धनवंतरी में रहने वाली एक महिला से लूट का मामला प्रकाश में आया है। जिसके चलते रसल चौक पर बिना नंबर की बाइक सवार तीन लुटेरों ने सास व पति के साथ होटल में आयोजित शादी समारोह में जा रही महिला के गले से चेन छीन ली। लूट के वारदात के बाद पहुंची पुलिस ने शहर में घेराबंदी की, लेकिन आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने की घेराबंदी, आरोपी फरार

पुलिस ने बताया कि धनवंतरि नगर निवासी

अनामिका पाठक अपने पति डीके पाठक और सास के साथ विवाह समारोह में अरिहंत होटल रसल चौक जा रही थीं। होटल के सामने सड़क किनारे डीके पाठक ने कार खड़ी की। अनामिका अपनी सास के साथ कार से उतर कर होटल की तरफ जाने लगीं। तभी बिना नंबर की बाइक सवार तीन बदमाश तेजी से निकले। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने अनामिका के गले पर झपट्टा मारकर चेन खींच लिया। अनामिका ने शोर मचाया, लेकिन तब तक बदमाश चौथा पुल की ओर भाग निकले।

सरेआम लूट से अफरा-तफरी

सरेआम लूट की खबर मिलते ही पुलिस सकते में आ गई। तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम से बदमाशों के भागने वाले रास्तों पर घेराबंदी कराई गई, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आए। लूट की खबर मिलते ही एएसपी सिटी रोहित काशवानी, सीएसपी आरडी भारद्वाज, टीआइ ओमती एसपीएस बघेल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने महिला का बयान लिया इसके बाद चौराहे पर लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों का पता लगाने में जुटी है। ओमती पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2022

01 नवंबर 2021 से आरंभ

1 जनवरी, 2022 की अर्हता तिथि में वोटर बनने की है, ये लाईफलाइन

कोई मतदाता न छूटे

विशेष कैम्प का आयोजन सभी मतदान केन्द्रों पर 20-21 नवम्बर, 2021

उम्र 18 साल पात्रता 1 जनवरी, 2022 तक

वोटर हेल्पलाइन एप्प डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play | Download on the App Store

https://nvsp.in

- वोटर पोर्टल https://nvsp.in पर अपनी लागिन आई.डी. बनाकर ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ करें।
- Forms पर क्लिक करें और फार्म 6 में अपना नाम एवं पता भरकर अपने नाम को पंजीकृत करवाएं तथा फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन को अपलोड करें।
- निर्वाचक नामावली में दर्ज स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों के विवरण को विलोपित करने हेतु Form-7 पर क्लिक करें।
- यदि निर्वाचक नामावली की प्रविष्टियों में कोई संशोधन या सुधार करने की जरूरत हो तो निर्वाचक नामावलियों की प्रविष्टियों में सुधार करने पर क्लिक करके फार्म 8 भरें।
- अप्रवासी मतदाता रजिस्ट्रेशन के लिये ऑनलाइन फार्म 6A में आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन | ऑफलाइन

श्री राजीव वर्मा
स्टेट आईकॉन

अपने नज़दीकी मतदान केन्द्र या कॉमन सर्विस सेंटर जाए

- सभी प्रकार के फार्म निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास उपलब्ध हैं या फार्म वेबसाइट www.ceomadhyapradesh.nic.in तथा www.eci.gov.in से भी डाउनलोड कर सकते हैं।
- संबंधित फार्म भरकर एवं फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन प्रस्तुत करें। फार्म, दावे, आपत्ति प्रस्तुत करने की **अवधि 1 से 30 नवंबर, 2021** तक है।
- फार्म BLO के पास जमा किए जा सकते हैं।
- मतदाता सुविधा केन्द्र - तहसील कार्यालय में भी भरे जा सकते हैं।

D-11079

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2021

हमेशा मास्क लगाएं | हाथों को साफ रखें | छह फिट की दूरी रखें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश द्वारा जनहित में जारी

www.ceomadhyapradesh.nic.in Follow us: /CEOMPSVEEP @CEOMPElections /CEO MP Elections

अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए टोल फ्री नंबर पर सम्पर्क करें टोल फ्री 1950

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)